प्रयागराज, रविवार 24 नवम्बर 2024 से शनिवार 30 नवम्बर 2024 तक
वर्ष-12 , अंक-47
पृष्ठ- 8 मूल्य: 3 रूपये
TM

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

हिन्दी साप्ताहिक

नगर संस्करण
12

18/11/2024

19/11/2024

20/11/2024

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE

(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)

सर्टिफिकेट इन फायर सेफ्टी एण्ड इण्डस्ट्रीयल सिक्योरिटी

फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड

कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन, सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है। रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लान्ट, माइनिंग इन्डस्ट्रीज, पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रानिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है

(वरिष्ठ आई.पी.एस.) श्री अविनाश चन्द्रा
महानिदेशक
अग्निशमन सुरक्षा एवं आपात सेवा उत्तर प्रदेश

नोटः फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश -विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।

Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480

Enjoy Publicity

21/11/2024

22/11/2024

23/11/2024

24.pmd 1 11/23/2024, 6:04 PM

72 घंटे बाद भी बनारस यलो जोन मे एक्यूआई 125, अर्दली बाजार प्रदूषित

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
वाराणसी। वाराणसी में दिनोंदिन खराब होती जा रही हवा की गुणवत्ता अब चिंता का विषय बनती जा रही

है। दीपावली के बाद से ही एक्यूआई यानी एयर क्वालिटी इंडेक्स के गंभीर परिणाम सामने आ रहे हैं। इससे बचने के लिए लोगों ने अब मास्क का उपयोग शुरू कर दिया है। शहर में हवा की गुणवत्ता लगातार खराब हो रही है। 72 घंटे से बनारस का एयर क्वालिटी इंडेक्स यलो जोन में बना हुआ है। सुबह एयर क्वालिटी इंडेक्स 125 दर्ज किया गया और रात नौ बजे एक्यूआई 113 रहा। शहर में सबसे अधिक प्रदूषित इलाका अर्दली बाजार और सबसे साफ बीएचयू का रहाबीते गुरुवार को अर्दली बाजार का एयर क्वालिटी इंडेक्स 140, मलदहिया का एक्यूआई 129, भेलूपुर का 114 और बीएचयू का एक्यूआई 70 था। अर्दली बाजार में पीएम 2.5 की अधिकतम मात्रा 196, पीएम 10 की अधिकतम मात्रा 132, नाइट्रोजन की मात्रा 112, सल्फर 18, कार्बन 82 और ओजोन 23 रहा। मलदहिया में पीएम 2.5 की अधिकतम मात्रा 196, पीएम 10 की अधिकतम मात्रा 104, नाइट्रोजन की दो, सल्फर 36, कार्बन 68 और ओजोन की मात्रा 10 रही। भेलूपुर पीएम 2.5 की अधिकतम मात्रा 162, पीएम 10 की अधिकतम मात्रा 154, नाइट्रोजन आठ, सल्फर 42, कार्बन 70 और ओजोन 70 रहा। बीएचयू में पीएम 2.5 की अधिकतम मात्रा 71, पीएम 10 की अधिकतम मात्रा 92, नाइट्रोजन दो, सल्फर 28, कार्बन 38 और ओजोन 12 रहा। शहर में ओजोन की मात्रा सबसे अधिक भेलूपुर क्षेत्र में 70 रही। मौसम विज्ञानी प्रो. एसएन पांडेय ने बताया कि ठंड बढ़ने के कारण प्रदूषक तत्व हवा में घुल नहीं पा रहे हैं। इसके कारण हवा में प्रदूषक तत्वों की मात्रा बढ़ रही है।

14 दिसंबर को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत सफल बनाने के लिए बैठक संपन्न

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
रायबरेली। माननीय उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देशानुसार व श्री राज कुमार सिंह, जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, रायबरेली के दिशा-निर्देशन में 14 दिसम्बर 2024 को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाना है। राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाने हेतु समस्त उपजिलाधिकारी के न्यायालयों में लम्बित मामलों के अधिक से अधिक निस्तारण की रुप-रेखा तय किये जाने हेतु बैठक जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वाधान में आहूत की गयी। इस बैठक की अध्यक्षता मा0 अपर जिला जज/सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री अनुपम शौर्य के द्वारा की गयी। बैठक में अपर जिला जज/सचिव अनुपम शौर्य द्वारा बैठक में उपस्थित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये जिससे अधिक से अधिक मामलों के निस्तारण कर राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाया जा सके। बैठक में पिछलें लोक अदालत की सफलता को दोहराने व उसे और सफल बनाने के लिए उठाये जाने वाले कदमों पर विचार-विमर्श किया गया जिसमें सभी ने अपने-अपने सुझाव साझा किये। बैठक में समस्त उपजिलाधिकारी को तहसील-परिसर में ई-रिक्शा के माध्यम से लोक अदालत के प्रचार-प्रसार के सम्बन्ध में चर्चा की गयी। उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण से जारी दिशा-निर्देश के अनुक्रम में तहसीलों में पर्याप्त संख्या में विधिक शिविरों के आयोजन के सम्बन्ध में वार्ता की गयी। इसके अतिरिक्त समस्त उपजिलाधिकारीगण से तहसीलों में लीगल एड क्लीनिक संचालित किये जाने के सम्बन्ध में विचार-विमर्श किया गया। बैठक में मिथलेश त्रिपाठी उपजिलाधिकारी सलोन, नवदीप शुक्ला उपजिलाधिकारी लालगंज, अकांक्षा दीक्षित तहसीलदार ऊँचाहार, सचिन यादव उपजिलाधिकारी महराजगंज, प्रफुल्ल कुमार शर्मा उपजिलाधिकारी सदर, उपस्थित रहे।

केंद्रीय निगरानी समिति सदस्य का जनपद में हुआ आगमन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
रायबरेली । मा0 केंद्रीय निगरानी समिति सदस्य प्रदेश कोऑर्डिनेटर भारत सरकार श्री अमानत रसूल ने

शुक्रवार को सैय्यद जमाल अशरफ के आवास पर प्रेस वार्ता की। इस दौरान उन्होंने पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए कहा कि प्रदेश और केंद्र सरकार अल्पसंख्यक समुदाय के लिए लगातार कार्य कर रही है। जिसमें उनके अधिकारों की रक्षा और उनके सामाजिक, आर्थिक और शैक्षणिक विकास पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य सबका साथ सबका विकास है। उन्होंने बताया कि अल्पसंख्यक समुदाय के लिए विभिन्न प्रकार की रोजगारपरक योजनाएं चलाई जा रही हैं। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत पात्रों का विवाह निःशुल्क कराया कराया जा रहा है। आयुष्मान कार्ड योजना का लाभ प्रत्येक परिवार को मिल रहा है। सरकार ने अल्पसंख्यक समुदाय के लिए कई योजनाएं शुरू की हैं, जिनमें शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और आर्थिक विकास पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। सरकार ने अल्पसंख्यक समुदाय के लिए कानूनी संरक्षण प्रदान किया है। इस अवसर पर जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी महिमा सहित विभागीय कर्मचारी उपस्थित रहे।

देव दीपावली पर काशी में कम लगे जाम, काम आई ट्रैफिक टेक्निक

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
वाराणसी। देव दीपावली पर इस बार वाराणसी में यातायात व्यवस्था दुरुस्त दिखी। याताया पुलिस के अनुसार, शहर के प्रमुख स्थानों पर पार्किंग के लिए बनाए गए स्थानों ने काफी सहूलियत दी। पर्यटकों और आम नागरिकों को अपने-अपने गंतव्य में जाने में दिक्कतों का सामना नहीं करना पड़ा। विभाग की ओर से जारी क्यूआर कोड का भी भरपूर उपयोग किया गया। देव दीपावली पर इस बार पिछले वर्षों की अपेक्षा शहर की यातायात व्यवस्था काफी हद तक सहूलियत भरी रही। ट्रैफिक पुलिस के अनुसार, इसकी अहम वजह शहर के अलग-अलग इलाकों में 24 जगह वाहन सुव्यवस्थित तरीके से वाहन पार्किंग की व्यवस्था थी। इसके अलावा पड़ाव, रामनगर और टेंगरा मोड़ की ओर से आने वाले वाहनों का बेहतर रूट डायवर्जन प्लान भी एक बड़ी वजह थी। पुलिस आयुक्त मोहित अग्रवाल का निर्देश था कि देव दीपावली पर शहर की यातायात व्यवस्था सुगम हो। जाम की समस्या का राहगीरों

को सामना न करना पड़े। एडीसीपी ट्रैफिक राजेश कुमार पांडेय ने बताया कि देव दीपावली के दिन यातायात व्यवस्था के मद्देनजर 475 टीआई, टीएसआई, हेड कांस्टेबल और कांस्टेबल तैनात किए गए थे। पांच स्थान पर पुलिसकर्मी पब्लिक एड्रेस सिस्टम के साथ वाहन पार्किंग स्थल बताने के लिए तैनात किए गए थे। पड़ाव, रामनगर और टेंगरा मोड़ से सामने घाट पुल और विश्व सुंदरी पुल की ओर डायवर्जन इस तरह से किया गया था कि सामने घाट इलाके से लंका और नगवा मार्ग पर यातायात का दबाव न बढ़े। पब्लिक ने सहयोग किया और सड़क पर वाहन न खड़ा कर निर्धारित पार्किंग स्थल का ही इस्तेमाल किया। इससे सड़क पर वाहनों का दबाव नहीं बढ़ा। एडीसीपी ट्रैफिक ने कहा कि इसी तरह के अन्य बड़े आयोजनों के दौरान भी इसी व्यवस्था को अपना कर यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाए रखने का प्रयास किया जाएगा।इस बार देव दीपावली के दिन वाहन पार्किंग स्थल के बारे में जानने के लिए ट्रैफिक पुलिस की ओर से गूगल मैप आधारित लिंक और क्यूआर कोड जारी किया गया था। एडीसीपी ट्रैफिक ने कहा कि समाचार पत्रों में लिंक और क्यूआर कोड प्रकाशित होने से पब्लिक को बहुत सहूलियत हुई। उन्हें आसानी से पता लग गया कि उनके आसपास वाहन पार्किंग स्थल कहां हैं। इस संबंध में आमजन का सराहनीय फीडबैक भी पुलिस को मिला। काशी जोन में रूट निर्धारित कर ई-रिक्शा के संचालन की व्यवस्था बनाई गई है। एडीसीपी ट्रैफिक ने कहा कि व्यवस्था के संचालन के लिए अक्तूबर के महीने में बगैर परमिट और अन्य कागजात वाले ई-रिक्शा के खिलाफ अभियान चलाकर कार्रवाई की गई थी।

थाना नैनी पुलिस व एसओजी यमुनानगर की संयुक्त टीम द्वारा 03 अन्तर्राज्यीय शातिर मोटरसाइकिल चोर गिरफ्तार, कब्जे व निशांदेही से चोरी की 07 मोटरसाइकिल बरामद

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नैनी/प्रयागराज । थाना नैनी पुलिस व एध्ड यमुनानगर की संयुक्त टीम द्वारा आज दिनांक 22.11.2024 को अभियुक्त 1. अंकित कुमार पुत्र अशोक कुमार नि0 पनासा दांडे थाना करछना जनपद प्रयागराज 2. आदर्श मिश्रा पुत्र जीतेन्द्र प्रसाद मिश्रा नि0 मडवा बीरपुर खाई थाना करछना जनपद प्रयागराज 3. आशीष यादव उर्फ मदन मोहन पुत्र भगवती प्रसाद यादव नि0 जगदीशपुर डीहा करछना जनपद प्रयागराज को आर0टी0ओ0 जाने वाले मार्ग के पास थाना क्षेत्र नैनी से गिरफ्तार किया गया। अभियुक्तों उपरोक्त के कब्जे से चोरी की 02 मोटरसाइकिल तथा निशांदेही पर आर0टी0ओ0 तिराहे के बगल में गुमटी की आड़ थाना क्षेत्र नैनी से चोरी की 05 मोटरसाइकिल बरामद की गयी। उक्त गिरफ्तारी / बरामदगी के संबंध में थाना नैनी पर मु0अ0सं0 686/24 धारा 317 (2)/317(4)/317(5) बीएनएस पंजीकृत किया गया। नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है। **पूछताछ का विवरण** अभियुक्तगण द्वारा पूछताछ पर बताया गया कि हम लोग मिलकर प्रयागराज, रीवां (मध्य प्रदेश) व अन्य स्थानों पर रेकी कर मोटरसाइकिलों की चोरी करते हैं तथा बेचकर अपना जीवन यापन तथा शौक पूरा करते हैं।

टैंकर को बचाने के चक्कर में ट्रेलर अनियंत्रित होकर अल्ट्राटेक के बाउंड्री में घुसा चालक बचा बाल बाल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

डाला सोनभद्र। स्थानीय डाला पुलिस चौकी क्षेत्र में स्थित खजिन बैरियर के सामने वाराणसी शक्ति नगर राज्य मार्ग पर शुक्रवार को लगभग साढ़े नौ बजे ट्रेलर खड़िया अनपरा से राखड लोड कर इलाहाबाद जा रही है उसी दौरान डाला चढ़ाई से उतरते समय आगे जा रही एक टैंकर को बचाने के चक्कर में यूपी 77 एटी 2490 ट्रेलर अनियंत्रित होकर अल्ट्राटेक आवासीय परिसर का बाउंड्री वॉल तोड़कर अंदर घुस गई वहीं ट्रेलर का चालक रविशंकर विश्व कर्मा पुत्र मुकेश प्रसाद निवासी गांव बघौर सिधि मध्य प्रदेश एव परिचालन अमरदेव पुत्र स्व अंजनी प्रसाद विश्व कर्मा निवासी गांव बघौर सिधि मध्य प्रदेश बाल बाल बच गए जिसको देखकर स्थानीय लोगों ने तत्काल मौके पर पहुंचकर चालक व परिचालक को ट्रेलर के कैविन बाहर निकलवाया इसके साथ ही डाला पुलिस को सूचना दी गई और सूचना पाकर मौके पहुंची डाला पुलिस ने अग्रीम कारवाई जुटी।स्थानीय रहवासियों ने बताया कि वाराणसी शक्ति नगर राज्य मार्ग जो कि किलर रोड़ के नाम विख्यात है यहां अक्सर सड़क दुर्घटना होती रहती है लेकिन ना ही शासन प्रशासन ना ही सड़क निर्माण चेतक कंपनी/ एसीपी इस गंभीर क्यों नहीं होते हैं आखिर मौन क्यों वहीं लोगों ने कहा कि डाला चढ़ाई से उतरते समय डाल होने के कारण समस्त वाहनों की हाई स्पीड हो जाता है और डिवाइडर कटींग के पास दो छोटे छोटे ब्रेकर स्थित जहां वाहनों को दूर से दिखाई नहीं देता और पास पहुंचने पर ब्रेकर देख वाहनों को अचानक से ब्रेक लगाना पड़ता है जिससे सड़क दुर्घटना का शिकार हो जाते हैं जहा चेतक सड़क निर्माण कंपनी द्वारा सड़क निर्माण करते समय आबादी क्षेत्र का ध्यान नहीं रखा गया और सड़क निर्माण कार्य में इंजीनियरों ने औने-पौने मानकों के आधार पर सड़क निर्माण करवाया दिया गया जिसमें ना डाला चढ़ाई पहले हिस्से पर कोई स्पीड ब्रेकर बनवाया गया ना ही सड़क डिवाइडर कटींग व ब्रेकर को इन्डीकेट या संकेतिक चिह्न लगवाया गया है कि वाहनों चालक उसको देख सर्तक हो सकें।जिसको लेकर स्थानीय रहवासियों ने जिलाधिकारी का ध्यान आकर्षित करवाते डाला चढ़ाई पहले हिस्से पर ब्रेकर एव डिवाइडर कटींग ब्रेकर को इन्डीकेट या संकेत चिह्न लगवाऐ जाने की मांग उठाई।

रोजगार मेलें में कुल 112 अभ्यर्थियों का हुआ चयन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। गुरुवार को जिला सेवायोजन कार्यालय, सोनभद्र द्वारा देवो महेश कॉलेज ऑफ इन्जिनीयरिंग एण्ड टेक्नोलॉजी, सुवृक्त, राबर्ट्सगंज, सोनभद्र के परिसर में डीसेट्स, फरीदाबाद, एल0आई0सी0, राबर्ट्सगंज, वेक्सला इण्डिया टेक्नीकल प्रा0 लि0, मिर्जापुर सीस, सिंगरौली इत्यादि कम्पनियों ने प्रतिभाग किया। इस मेलें में विभिन्न पदों पर कम्पनियों

रोजगार मेले का आयोजन किया गया, जिसमें लगभग 300 अभ्यर्थियों ने प्रतिभाग किया। उ0प्र0 राज्य सड़क परिवहन निगम (सोनभद्र डिपो) में संविदा पर चालक की भर्ती, विजन इण्डिया सर्विसेज प्रा0 लि0 (हिण्डालको इण्डस्ट्रीज लि0, रेनूकुट, सोनभद्र), लैट्रीक स्टाफींग, नोएडा, कृतिका एडवरटाईजिंग, चुर्क, सोनभद्र, क्रेडिट एक्सेस ग्रामीण लि0, वाराणसी, शिव शक्ति एग्रीटेक लि0, वाराणसी, नुमैक्स स्कील एवं मैनेजमेन्ट, न्यू दिल्ली, वॉकरू इण्टरनेशनल प्रा0 लि0, कोयम्बटूर, द्वारा कुल 2 अभ्यर्थियों का चयन किया गया। इस अवसर पर सेवायोजन कार्यालय के प्रभारी अधिकारी सच्चिदानन्द, देवो महेश कॉलेज ऑफ इन्जिनीयरिंग एण्ड टेक्नोलॉजी के निदेशक एवं प्रबन्धक मनीष कुमार, डीन एकेडमी अमित कुमार, सेवायोजन विभाग के रोजगार मेला प्रभारी जितेन्द्र कुमार श्रीवास्तव, प्रदीप कुमार सिंह, पवन कुमार सोनकर, यंग प्रोफेशनल सुरेन्द्र कुमार प्रजापति, मनोज कुमार एवं अंशोक कुमार आदि उपस्थित रहे।

मतगणना को लेकर तैयारियां पूरी, एझ् ने पुलिसकर्मियों के साथ की बैठक; बोले- शांतिपूर्ण हो माहौल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

मिर्जापुर। मिर्जापुर के मझवां उपचुनाव के बाद अब मतगणना की तैयारियां जिलास्तर पर पूरी कर ली गई हैं। कॉलेज के चारों तरफ सुरक्षा घेरा बनकर पुलिसकर्मी तैनात रहेंगे। क्षेत्र के उप निर्वाचन के वोटों की गिनती कराई जाएगी। जिला निर्वाचन अधिकारी प्रियंका निरंजन ने संबंधित अफसरों को निर्देश जारी कर दिया है। लापरवाही अक्षम्य होगी। इसी क्रम में मिर्जापुर के पुलिस अधीक्षक

पुलिस अधीक्षक ने भी मातहतों को निर्देश दे दिए हैं। मिर्जापुर के बथुआ स्थित राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज में मझवां उपचुनाव को लेकर मतगणना शनिवार यानी 23 नवंबर को होनी तय है। इसको लेकर जिला प्रशासन तैयारियां कर रहा है। बैरिकेडिंग लगाने के साथ सुरक्षा के तमाम इंतजाम किए गए हैं। सुबह आठ बजे से मझवां विधानसभा (397) निर्वाचन अभिनंदन मतगणना को लेकर जिले के पुलिसकर्मियों की बैठक ली। उन्होंने मतगणना में अपने कर्तव्यों का इमानदारी से निर्वहन करने का निर्देश दिया है। कहा है कि इस दिन कोई भी पुलिसकर्मी राजनीतिक सोच के साथ काम नहीं करेगा। पुलिस की जिम्मेदारी को निभाना है। तय समय पर लोग अपने-अपने कार्यस्थल पर पहुंच जाएं।

बालू का ठेका दिलाने के नाम पर किया करोड़ों का घोटाला, कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने किया गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र । ओबरा स्थित गैस गोदाम

रोड पर एक व्यक्ति द्वारा करोड़ों की ठगी का मामला सामने आया है । सूत्रों के अनुसार थाना लंका पुलिस टीम ने कोर्ट से जारी गैर जमानती वारंट के आधार पर करोड़ों का घोटाला करने वाले आरोपी संजय कुमार विश्वास को गिरफ्तार किया। अभियुक्त के खिलाफ थाना लंका और थाना ओबरा (सोनभद्र) में करोड़ों रुपये की ठगी के मामले पंजीकृत हैं। गिरफ्तार अभियुक्त संजय कुमार विश्वास, पुत्र स्व. सुशील कुमार, निवासी म0नं0 11/31 गैस गोदाम रोड सुमन नगर, ओबरा, जिला सोनभद्र, उम्र करीब 48 वर्ष हैं। पुलिस ने उसे रविवार को नगवा मस्जिद के पास से गिरफ्तार किया। उसके खिलाफ आरोप है कि उसने कई लोगों से बालू का ठेका दिलाने के नाम पर करोड़ों रुपये की ठगी की। इसके खिलाफ विभिन्न गंभीर धाराओं में मामले विचाराधीन हैं। उसके खिलाफ लंका और सोनभद्र में मुकदमा दर्ज है।

लेखपाल संघ सदर तहसील राबर्ट्सगंज सोनभद्र का चुनाव सकुशल सम्पन्न

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र । गुरुवार को जनपद सोनभद्र के सदर तहसील में लेखपाल संघ राबर्ट्सगंज के चुनाव में सभी निर्विरोध चुने गए चुनाव अधिकारी प्रवीण कुमार सिंह, ओमप्रकाश, पर्यवेक्षक राजीव कुशवाहा जिला अध्यक्ष सुबोध कुमार सिंह व जिला मंत्री अमित कुमार शुक्ल के संरक्षक में सम्पन्न कराया गया निर्वाचित सदस्य गण तहसील अध्यक्ष संजय सिंह मंत्री साजिद खान वारसी वरिष्ठ उपाध्यक्ष पंकज कनिष्ठ उपाध्यक्ष विवेकानन्द तिवारी उप मंत्री सुधीर कुमार पटेल कोषाध्यक्ष श्री भगवान लेखा परीक्षक कन्हैयालाल पटेल इस मौके पर गोपेंद्र पांडेय मनीष कुमार सिंह लाल बाबू सरोज संदीप सिंह राजेंद्र प्रसाद विनोद कुमार पाल शिवाजी आदि लेखपाल मौजूद थे।

उद्योग व्यापार संगठन की हुई बैठक

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र । उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार संगठन सोनभद्र की एक अति आवश्यक बैठक जिला उपाध्यक्ष नागेंद्र मोदनवाल जी के आवास पर संपन्न हुई जिसमें व्यापारी समस्याओं के

संदर्भ में व्यापक विचार विमर्श किया गया वक्ताओं ने कहा कि वर्तमान परिवेश में सरकार के स्पष्ट निर्देश के बावजूद व्यापारियों की समस्याओं का निराकरण नहीं हो पा रहा है। समस्याओं का अंबार लगा हुआ है संगठन के जिला अध्यक्ष ने कहा कि नगर पालिका क्षेत्र की आबादी लगभग डेढ़ लाख होने के बावजूद कोई सीटी अस्पताल नहीं है जबकि नगर में पूर्व में जहां संयुक्त चिकित्सालय संचालित किया जाता था बिल्डिंग लगभग पूरी खाली पड़ी है और इस मुद्दे को पिछले एक दशक से विभिन्न पटलों पर लगातार उठाया जा रहा है पूर्व में उपरोक्त समस्या के संदर्भ में शासन को भी अवगत कराया जा चुका है श्री शर्मा कहा कि अगर समस्याएं अभिलंब पूरी नहीं की गई तो धरना प्रदर्शन भी किया जाएगा जिसकी समस्त जिम्मेदारी जिला प्रशासन की होगी संगठन के जिला महामंत्री प्रितपाल सिंह ने कहा कि जिला अस्पताल की दूरी लगभग पांच किलोमीटर दूर होने के कारण रात्रि में कोई साधन उपलब्ध नहीं हो पाता रात्रि में मेडिकल हाल भी खोले जाने की मांग एक लंबे अरसे से की जा रही है जिससे जीवन रक्षक दवाई मिल सके। वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष धर्मराज सिंह ने कहा कि आज भी गांव में किसान की जीविका खेती पर ही निर्भर है किसानों को न हीं डीएपी खाद मिल पा रही है ना ही पर्याप्त बिजली पानी मिल पा रही जिससे किसानों को काफी असुविधा हो रही है। नगर अध्यक्ष प्रशांत जैन ने कहा कि ट्रांसपोर्ट नगर एवं पार्किंग के लिए एक लंबे अरसे से मांग की जा रही है जिसके चलते व्यापारियों को शोषण का शिकार होना पड़ता है ई चालान की बढ़ती संख्या व्यापारियों के लिए समस्या पैदा कर रही है यदि कोई व्यापारी अपने दुकान के सामने माल लोड अथवा अनलोड करता है तो उसे भारी भरकम जुर्माने की राशि ई चालान के माध्यम से अदा करनी पड़ती है वरिष्ठ उपाध्यक्ष यशपाल सिंह एवं प्रदीप जायसवाल ने संयुक्त वक्तव्य ने कहा कि इन दोनों जनपद में साइबर क्राइम एवं डिजिटल अरेस्ट की कई घटनाएं घट चुकी है इसके नियंत्रण के लिए जगह-जगह जागरूकता कार्यक्रम करके लोगों को प्रशिक्षित किया जाए जिससे इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति ना हो जिला कोषाध्यक्ष शरद जायसवाल ने कहा कि महारानी लक्ष्मी बाई मेडिकल कॉलेज झांसी में घटी घटना के बावजूद अस्पतालों के संचालक गंभीरता से नहीं ले रहे हैं अगर समय रहते अस्पताल प्रशासन संज्ञान ले लिया होता तो शायद 11 नवजात शिशुओं की जान बच गई होती। नगर महामंत्री जसकीरत ने कहा कि जिला अस्पताल में आईसीयू की सुविधा नहीं है ना ही कोई कार्डियोलॉजिस्ट है ना ही कोई नेफ्रोलॉजिस्ट सोनभद्र के दुरूह क्षेत्र से आए मरीजों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है उन्होंने कहा कि प्रायः देखा जाता है कि इमरजेंसी में जिला अस्पताल में कोई डॉक्टर मौजूद नहीं होता जिससे मरीज के तामीरदारो को इधर-उधर भटकना पड़ता है जिला उपाध्यक्ष कृष्णा सोनी ने कहा कि मतदाता सूची को पारदर्शी एवं सुचिता पूर्ण ढंग से तैयार किया जाना चाहिए पूर्व में बीएलओ द्वारा सर्वे कर संशोधन किया गया लेकिन जब मतदाता सूची प्रकाशित हुई तो पूर्व की तरह ही त्रुटि पूर्ण थी एवं मतदाता सूची से परिवार के कई लोगों का नाम भी गायब था बैठक में मुख्य रूप से कौशल शर्मा, प्रितपाल सिंह, शरद जयसवाल, प्रशांत जैन, जसकिरत सिंह, सिद्धार्थ सांवरिया, अमित अग्रवाल, प्रदीप जैसवाल, धर्मराज सिंह, यशपाल सिंह, कृष्णा सोनी, अभिषेक गुप्ता, नागेंदर मोदनवाल, अभिषेक केसरी दिलकरन सिंह, संजय सिंह, आदि लोग उपस्थित रहे।

स्पंदन 2024 का आयोजन छात्रओं ने किया नित्य

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

शक्तिनगर । महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ एनटीपीसी परिसर ,शक्ति नगर में गुरुवार को मानविकीय संकाय की ओर से स्पंदन 2024 का

आयोजन किया गयात् इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में क्षेत्राधिकार पिपरी अमित कुमार ने कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण तथा दीप प्रज्वलित कर किया मुख्य अतिथि अमित कुमार ने कहा कि आप सभी युवा हैं देश का भविष्य आपके कंधे पर है कठिन परिश्रम के बल पर अपने परिवार एवं समाज का नाम रोशन कर सकते हैं कोई काम छोटा बड़ा नहीं होता व्यक्ति की सोच बड़ी छोटी हो सकती है इसलिए हर कार्य करने के लिए तैयार रहना चाहिए विशिष्ट अतिथि के रूप में कार्मिक प्रबंधक एनसीएल पानी पंकज पांडे ने कहा कि समाज और देश की जिम्मेदारी आप सभी युवाओं के कंधे पर है आप अभी से अपने भविष्य को तय कर लीजिए कि आगे हमें क्या करना है तभी आप अपने जीवन में सफल हो पाएंगेत् दूसरे विशिष्ट अतिथि के रूप में समाजसेवी शनि शरण ने कहा कि स्कूली शिक्षा के साथ-साथ व्यवहारिक शिक्षा भी अति आवश्यक है समाज में कई तरह की समस्याएं हैं उसे दूर करने की जिम्मेदारी आप जैसे युवा पीढ़ी पर है कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने विभिन्न रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया जो दर्शकों को खूब भाया छात्र अफसाना प्रवीण ने एकल गीत प्रस्तुत कर लोगों को भाव विभोर कर दिया इसी प्रकार काजल , पूनम, प्रतिज्ञा पाल, शुभांगी ने संयुक्त रूप से नित्य प्रस्तुत कर लोगों को तालियां बजाने के लिए मजबूर कर दिया इसी प्रकार छात्रों ने भी फिल्मी धुन के गीत पर एक से बढ़कर एक कार्यक्रम प्रस्तुत किया जो दर्शकों को खूब पसंद आया छात्र सालवी ने एकल गीत प्रस्तुत कर दर्शकों की खूब तालियां बटोरीत् छत पर सोया था बहनोई मैं काली समझ के सो गई के गीत पर छात्राओं ने जमकर डांस प्रस्तुत किया त्अतिथियों का स्वागत इतिहास विभाग के प्राध्यापक डॉक्टर प्रभाकर लाल ने किया कार्यक्रम का शुभारंभ छात्राओं ने गणेश वंदना से किया त् अतिथियों का स्वागत छात्रों ने स्मृति चिन्ह भेंट कर किया त् कार्यक्रम में मुख्य रूप से विश्वविद्यालय के प्राध्यापक डॉक्टर मानिकचंद पांडे, डॉ विनोद कुमार पांडे ,डॉक्टर अनिल कुमार दुबे , डॉक्टर रागिनी श्रीवास्तव , डॉक्टर मृत्युंजय कुमार पांडे ,डॉक्टर छोटेलाल प्रसाद , अजय लक्ष्मी ,डॉक्टर अपर्णा त्रिपाठी ,डॉ महेश कुमार श्रीवास्तव , डॉक्टर ओम प्रकाश यादव , डॉक्टर मनिंदर कुमार डिसूजा, डॉ मनोज कुमार गौतम ,अभिषेक कुमार, प्रशांत कुमार, डॉक्टर निशा सिंह , डॉ अविनाश कुमार दुबे ,डॉ रणवीर प्रताप सिंह, प्रशांत कुमार विश्वकर्मा , डॉ आनंद प्रिया सिंह आदि उपस्थित थेत् कार्यक्रम का संचालन अभिषेक द्विवेदी ने किया।

मोदी सरकार की मुश्किलें होंगी डबल- राघवेंद्र नारायण

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। प्रियंका गांधी विपक्ष की एक सशक्त नेता के रूप में उभरेंगी झारखण्ड की जनता ने जो कमाल किया है उसके लिये वहां की जनता जर्नादन को व्श् कांग्रेस गठबंधन को पुनः सत्ता में वापस लाने के लिए ऐतिहासिक और प्रचंड बहुमत से जीतने के लिए जो साहसिक कार्य किया है वह अविस्मर्णीय रहेगा।उक्त बातें एनएसयूआई के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय सचिव राघवेंद्र नारायण ने कहा। उन्होंने वायनाड में प्रियंका गांधी के ऐतिहासिक और प्रचंड जीत को 9 और 9 निन्यानबे नहीं, बल्की यह 999 की गति देने वाला है। संसद में प्रियंका जी का पहुंचना भारतीय राजनीत के लिए एक अद्भुत घटना है।जिसके दूरगामी परिणाम देखने को मिलेंगे।निश्चित रूप से संसद में प्रियंका गांधी विपक्ष की एक सशक्त नेता के रूप में उभर कर सामने आएंगी । राघवेंद्र नारायण यह भी कहा कि हम दो और हमारे दो को अब यह जान लेना चाहिए की मां0 राहुल गांधी जी के साथ प्रियंका गांधी का संसद में आना इस चौकड़ी के लिए एक और एक 11 से मुकाबला करने जैसा होगा उन्हें इस बात के लिये तैयार रहना चाहिए।

आदिवासी सब प्लान का पैसा बंट रहा कॉर्पोरेट घरानों को

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

म्योरपुर, सोनभद्र। 22 नवंबर 2024, आदिवासियों के विकास के लिए बजट से दिया जाने वाला सब प्लान का पैसा देश के चुनिंदा कार्पोरेट घरानों

को केंद्र सरकार द्वारा दिया जा रहा है। इस पैसे को नेशनल हाईवे, रोड ट्रांसपोर्ट, टेलीकम्युनिकेशंस, टेलीफोन टावर और लाइन लगाने, भारत नेट, न्यू एंड रिनवल एनर्जी, सोलर पावर, यूरिया, न्यू ट्रीटमेंट खाद, सेमीकंडक्टर निर्माण आदि कार्यों में सरकार बांटने में लगी है। इनका कोई सीधा संबंध आदिवासियों और दलितों के विकास से नहीं है। आज हालत इतनी बुरी है कि शिक्षा के अभाव के कारण सरकारी नौकरियों में एसटी के लिए आरक्षित सीटें खाली रह जा रही है। इसलिए उनके आर्थिक सशक्तिकरण पर जोर देना होगा और आरक्षण के साथ जमीन, रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य, छात्रवृत्ति जैसे मदों पर धन के आवंटन को बढ़ाना होगा। यह बातें ऑल इंडिया पीपुल्स फ्रंट के प्रदेश महासचिव दिनकर कपूर ने रासपहरी में आयोजित तहसील कमेटी की बैठक में कहीं। बैठक में सुप्रीम कोर्ट द्वारा 1 अगस्त को अनुसूचित जाति-जनजाति के उप वर्गीकरण के फैसले पर 8 दिसंबर को दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन की तैयारी पर विचार विमर्श हुआ। बैठक में तय किया गया कि दुध्दी तहसील से भी प्रतिनिधि दिल्ली सम्मेलन में हिस्सेदारी करेंगे। बैठक की अध्यक्षता मजदूर किसान मंच के जिलाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद गोंड और संचालन एआईपीएफ के जिला संयोजक कृपा शंकर पनिका ने किया। बैठक में इस बात पर गहरा शोभ व्यक्त किया गया की सरकार ने आदिवासियों के रोजगार के लिए बने मनरेगा के मद में राष्ट्रीय स्तर पर करीब 1100 करोड रुपए की कटौती कर दी है। इसी प्रकार जन आरोग्य योजना आयुष्मान कार्ड के मद को भी घटा दिया गया हैं। आदिवासी बच्चों के मेडिकल एजुकेशन के बजट में करीब 4500 करोड रुपए और स्वास्थ्य के कुल बजट में कटौती की गई है। आदिवासी छात्राओं के छात्रावास के लिए महज 10 लाख रुपए बजट में आवंटित किए गए हैं। आदिवासी बच्चों की रिसर्च फेलोशिप के बजट में 4 करोड रुपए की कटौती की गई है और आईआईटी में पढ़ने वाले आदिवासी बच्चों की सहायता के लिए में 20 करोड़ की कटौती की गई है। यहां तक कि जो पैसा मुफ्त अनाज के लिए आवंटित किया जाता है उसमें भी करीब 2600 करोड रुपए की कटौती की गई है। इस तरह से भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने आदिवासियों पर चौतरफा हमला बोला है। बैठक में कहा गया कि बिरसा मुंडा के नाम पर गांव-गांव आरएसएस और भाजपा द्वारा आयोजित किया जा रहे जनजातीय सम्मेलन महज नाटक है। सच्चाई यह है कि भारतीय जनता पार्टी आदिवासियों की जमीन, उनके लिए बजट में आवंटित धन और उनके विकास को सूदखोरों, ठेकेदारों और कॉरपोरेट घरानों के हवाले करने में लगी है। इसीलिए इनसे सचेत रहने की जरूरत है। बैठक में एआईपीएफ जिला सचिव इंद्रदेव खरवार, जिला प्रवक्ता मंगरु प्रसाद श्याम, मजदूर किसान मंच के तहसील संयोजक रामचंद्र पटेल, युवा मंच की जिला संयोजक सविता गोंड, जिला अध्यक्ष रूबी गोंड, ठेका मजदूर यूनियन के जिला मंत्री तेजधारी गुप्ता, गुंजा गोंड, सुगवंती गोंड, राजकुमारी गोंड, मनोहर गोंड रामविचार गोंड, महावीर गोंड, बिरझन गोंड, तुलसी गोंड आदि ने अपनी बात रखी।

जनपद सोनभद्र के साइबर क्राइम पुलिस थाना ने फ्रॉड हुए 98000 /- रुपये आवेदक के मूल खाते में कराये वापस

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक जनपद सोनभद्र द्वारा साइबर अपराधियो के विरुद्ध चलाये जा रहे विशेष अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय के निर्देशन में तथा क्षेत्राधिकारी सदर के पर्यवेक्षण में साइबर क्राइम पुलिस थाना जनपद सोनभद्र द्वारा आवेदक मनीष कुमार पटेल पुत्र सत्यनारायण सिंह निवासी ब्रह्मनगर थाना रॉबर्टसगंज जनपद सोनभद्र के साथ 98000/- रुपये का साइबर फ्राड हुये धनराशि की जांच के क्रम में प्रभारी निरीक्षक साइबर थाना सोनभद्र के नेतृत्व में साइबर टीम के अधिकारी/कर्मचारीगण द्वारा आवश्यक विधिक कार्यवाही करते हुये आवेदक मनीष कुमार पटेल उपरोक्त को 98000/- रुपये की धनराशि को उनके बैंक के मूल खाता में सफलतापूर्वक वापस कराया गया। जिस पर आवेदक मनीष कुमार पटेल द्वारा साईबर क्राइम पुलिस थाना तथा समस्त अधिकारी/कर्मचारीगण की भूरि-भूरि प्रंशसा की गई।

स्ट्रीट चिल्ड्रेन के चिन्हांकन व पुनर्वासन हेतु चलेगा विशेष अभियान- शेषमणि दुबे

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग के दिशा निर्देश के क्रम में बच्चों के सुरक्षा एवं संरक्षण के संबंध में बाल कल्याण समिति योजनान्तर्गत पात्रता के अनुसार योजनाओं से लाभान्वित कराया जायेगा। सीमा शर्मा एवं सुधा गिरी द्वारा बताया गया कि बच्चों के सुरक्षा एवं संरक्षण तथा विभाग

के सदस्य अमित चन्देल व रंजना चौबे की अध्यक्षता मे बाल कल्याण समिति कार्यालय विकास भवन में बैठक आहुत किया गया। संरक्षण अधिकारी रोमी पाठक एवं गायत्री दुबे द्वारा बताया गया कि सड़क जैसी परिस्थितियों में रहने वाले बच्चों के सर्वे कराकर उनकी संख्या का आंकलन तथा उनके पुनर्वासन हेतु उन पर आने वाले व्यभार का मुल्यांकन किए जाने हेतु कार्ययोजना तैयार किया जाना हैं। ओ आर डब्ल्यू शेषमणि दुबे द्वारा बताया गया कि सड़क/फुटपाथ जैसी परिस्थितियों में रहने वाले ऐसे सभी बच्चों का सर्वे कराकर वास्तविक डाटा को बाल स्वराज पोर्टल पर अपडेट कराया जायेगा साथ ही उन सभी बच्चों को द्वारा संचालित योजनाओं के बारे में चाईल्ड हेल्पलाइन टोल फ्री नम्बर (1098) पर काल करके जानकारी लिया जा सकता हैं। समिति के सदस्य द्वारा सभी संबंधित को निर्देशित किया गया कि चिन्हित बच्चों को समिति के समक्ष प्रस्तुत करते हुये अग्रिम कार्यवाही की जाये। बैठक मे बाल कल्याण समिति के सदस्य अमित चन्देल, रंजना चौबे, जिला बाल संरक्षण इकाई से संरक्षण अधिकारी गायत्री दुबे, रोमी पाठक, ओ डब्ल्यू शेषमणि दुबे, चाइल्ड हेल्पलाइन यूनिट से केसवर्कर सीमा शर्मा, सुपरवाईजरी सत्यम चौरसिया,सुधा गिरी, थाना मानव तस्करी रोधी इकाई टीम आदि उपस्थित रहे।

देश/विदेश

मेरा देश भारत

जनपद सोनभद्र की समस्त थानों की महिला पुलिसकर्मियों व एन्टीरोमियो टीम द्वारा मिशन शक्ति फेज-05 अभियान के तहत महिलाओं/बलिकाओं को किया जा रहा जागरूक

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। शासन की मंशा के अनुरूप महिलाओं/बेटियों को स्वावलंबी और

सुरक्षित बनाने तथा उनके अधिकारों के सम्बंध में जागरूक करने व उनके साथ घटित होने वाले अपराधों पर प्रभावी रोकथाम करते हुए उनमें सुरक्षा/आत्मविश्वास की भावना जागृत करने के उद्देश्य से एक समग्र अभियान ''मिशन शक्ति फेज-05 अभियान'' चलाया जा रहा है । इसी क्रम में आज दिनांक 23.11.2024 को नारी सुरक्षा/नारी सम्मान/नारी स्वावलंबन के प्रति पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अशोक कुमार मीणा के निर्देशन में जनपद के समस्त थानों की शक्ति दीदी/महिला बीट आरक्षियों/ एण्टीरोमियों टीम द्वारा अपने-अपने थाना क्षेत्रान्तर्गत बीट/गांव/मंदिरो/ पॉर्को आदि में जाकर मिशन शक्ति कार्यक्रम के अन्तर्गत चौपाल लगाकर बालिकाओं एवं महिलाओं की शिकायतों की सुनवाई की गयी तथा ङ्घमिशन शक्ति फेज-05ङ्घ के सम्बन्ध में सभी बालिकाओं/महिलाओं को जागरूक किया, उनकी समस्याओं को सुनते हुए उन्हें मनचलों, अराजक तत्वों से निपटने तथा आत्मरक्षा करने के लिए आवश्यक आत्मरक्षात्मक गुण सिखाये गये इसके साथ ही उन्हें उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा बालिकाओं/ महिलाओं की सुरक्षा एवं सहायता हेतु संचालित विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों जैसे- 1090-वुमेन पॉवर लाइन, 181-महिला हेल्प लाइन, 108-एम्बुलेंस सेवा, 1076-मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, 112-पुलिस आपातकालीन सेवा, 1098-चाइल्ड लाइ?, 102-स्वास्थ्य सेवा, साइबर हेल्पलाइन 1930 तथा थानों पर स्थापित महिला हेल्प डेस्क के बारे में विस्तृत जानकारी के साथ-साथ महिला सशक्तिकरण से संबंधित 30प्र0 शासन की विभिन्न योजनाओं व प्राथमिकताओ के सम्बन्ध में पंपलेट वितरित कर जागरूक किया गया ।

अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) सोनभद्र की अध्यक्षता में पुलिस लाइन चुर्क, सोनभद्र में जनपद के व्यापारी बन्धुओं/बैंक मित्रों के साथ की गयी बैठक, नगर की यातायात व्यवस्था एवं अन्य समस्याओं को लेकर विचार-विमर्श किया गया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय सोनभद्र कालू सिंह की अध्यक्षता में आज दिनांक 23.11.2024 को पुलिस लाइन चुर्क, सोनभद्र स्थित सभागार कक्ष में व्यापारी सुरक्षा के सम्बन्ध में जनपद के प्रमुख व्यापारियों, उद्यमियो, पेट्रोल पम्प मालिकों व बैंक मित्रों के साथ गोष्ठी आयोजित की गयी । गोष्ठी में जनपद के प्रमुख व्यापारियों, उद्यमियों, पेट्रोल पम्प मालिकों व बैंक मित्रों के साथ उनकी सुरक्षा एवं नगर में यातायात व्यवस्था के सम्बन्ध में विचार-विमर्श किया गया। इस दौरान अपर पुलिस अधीक्षक द्वारा व्यापारियों को सुरक्षा के दृष्टिकोण से अपने-अपने दुकानों/संस्थानों मे सीसीटीवी कैमरे का प्रयोग अनिवार्य रूप से करने हेतु बताया गया । साथ ही साथ उनकी समस्याओं के विषय मे जानकारी की गयी व उनके निराकरण हेतु सम्बन्धित को निर्देशित किया गया तथा उनको सुरक्षा के सम्बंध मे पुलिस द्वारा हरसम्भव मदद का भरोसा दिलाया गया । इस मौके पर जनपद के एआरटीओ, प्रभारी निरीक्षक यातायात व व्यापारीगण/पेट्रोल पम्प मालिक/सर्राफा व्यापारी/बैंक मित्र मौजूद रहे ।

जनपद के समस्त थानों पर आयोजित किया गया थाना समाधान दिवस

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र द्वारा थाना रायपुर पर सुनी गयी फरियादियों की समस्याएं, दिये गये

आवश्यक निर्देश जमीन सम्बंधित सभी प्रकरणों में पुलिस व राजस्व की संयुक्त टीमों द्वारा गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध निस्तारण हेतु दिए गए निर्देश-इसी प्रकार जनपद के समस्त क्षेत्राधिकारियों द्वारा अपने-अपने सर्किल क्षेत्र में सुनी गयी फरियादियों की समस्याएं- जनपद के समस्त थानों पर ठथाना समाधान दिवसठ का आयोजन किया गया । पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अशोक कुमार मीणा द्वारा थाना रायपुर पर फरियादियों की समस्याओं को सुनकर कुछ का मौके पर निस्तारण किया गया तथा कुछ के गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध निस्तारण हेतु सम्बन्धित को निर्देशित किया गया। साथ ही निर्देशित किया गया कि जमीन सम्बंधित सभी प्रकरणों में पुलिस व राजस्व की टीमों द्वारा संयुक्त रुप से प्रकरण का निस्तारण किया जाए, जिससे फरियादियों को अलग-अलग भटकना न पड़े व प्रकरणों का त्वरित व न्याय पूर्ण निस्तारण हो सके । इसी क्रम में जनपद के समस्त क्षेत्राधिकारियों द्वारा अपने अपने सर्किल क्षेत्रान्तर्गत समाधान दिवस का आयोजन कर जनता की समस्याओं को सुना गया तथा त्वरित कार्यवाही के लिए सम्बन्धित को आदेशित किया। इसी प्रकार जनपद के समस्त थाना प्रभारियों द्वारा अपने- अपने थानों पर समाधान दिवस का आयोजन कर जनता की समस्याओं को सुना गया ।

उ0प्र0 पुलिस का गौरवशाली दिन उत्तर प्रदेश पुलिस झण्डा दिवस के अवसर पर पुलिस लाइन एवं समस्त थानों में फहराया गया झण्डा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। पुलिस झंडा दिवस के अवसर पर पुलिस लाइन सोनभद्र में पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अशोक कुमार मीणा द्वारा पुलिस झंडा का ध्वजारोहण कर

सलामी दी गयी। पुलिस अधीक्षक द्वारा अपने सम्बोधन में बताया गया कि ङ्घयह ध्वज हमारे गौरवशाली इतिहास का प्रतीक है, पुलिस ध्वज को फहराने और उसके प्रति सम्मान प्रदर्शित करते समय हमें स्वाभिमान एवं गर्व की अनुभूति होती है, हम सभी में कर्तव्यनिष्ठा की नई उर्जा संचरित होती है। यह ध्वज हमें नये जोश और उत्साह के साथ कर्तव्यपालन के लिए प्रेरित करता है। इतिहास हमारे निष्ठावान साथियों की अनवरत ड्यूटी, कर्तव्यपरायणता, जन-सेवा पराक्रम तथा कर्तव्यपथ पर प्राणोत्सर्ग करने वाले आत्म बलिदानी वीर साथियों की अनगिनत गाथाओं का साक्षी है इसके अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक द्वारा उपस्थित समस्त पुलिस अधिकारी/ कर्मचारीगणों को पुलिस झण्डा दिवस की हार्दिक शुभकामनायें देते हुए पुलिस कर्मियों को पुलिस विभाग के गौरवशाली अतीत की गरिमा बनायें रखने एवं शौर्यपूर्ण कर्तव्यनिष्ठा से अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने हेतु प्रेरित किया गया तथा पुलिस महानिदेशक महोदय द्वारा दिये गये संदेश को समस्त अधि0/ कर्मचारीगण को पढ़कर सुनाया गया, बताया गया कि पुलिस ध्वज देश की सेवा एंव लोकसेवा में अपने कौशल, शौर्य एंव कर्तव्य परायणता का प्रतीक है। जैसा कि आप सभी अवगत है कि 23 नवम्बर 1952 को तत्कालीन प्रधानमंत्री पं0 जवाहर लाल नेहरु जी ने पुलिस कार्य के सभी क्षेत्रों में अपने उत्कृष्ट प्रर्दशन के लिए उत्तर प्रदेश पुलिस को पुलिस झण्डा प्रदान किया गया है। उत्तर प्रदेश देश का प्रथम राज्य है जिसे सबसे पहले पुलिस ध्वज प्रदान किया गया था। इसी क्रम में समस्त क्षेत्राधिकारी एवं प्रभारी निरीक्षक/ थानाध्यक्षों द्वारा अपने-अपने थानों पर भी पुलिस झण्डा दिवस के अवसर पर पुलिस झण्डा का ध्वजारोहण कर सलामी दी गयी तथा पुलिस महानिदेशक महोदय द्वारा दिये गये संदेश को भी पढ़कर सुनाया गया ।

जिलाधिकारी ने एनएचएआई के निर्माण कार्यों का किया निरीक्षण

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

रायबरेली । महाकुंभ मेले की तैयारियों

को लेकर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि मेले से पहले सभी आवश्यक व्यवस्थाएं पूरी करा ली जाएं। महाकुम्भ से पहले राजमार्ग निर्माण कार्य समय से पूर्ण कराने के दृष्टिगत जिला अधिकारी हर्षिता माथुर ने पुलिस अधीक्षक डॉ यशवीर सिंह के साथ एनएचएआई के निर्माणाधीन कार्यों को देखा। इस दौरान उन्होंने दरियापुर तिराहा, मुंशीगंज, कुचरिया, बाबूगंज बाईपास सहित ऊंचाहार रेलवे ओवरब्रिज में निर्माण कार्यों को भी देखा। उन्होंने पीडी एनएचएआई को अंडरपास कार्यों को शीघ्र पूरा कराने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने निर्माण कार्यों की प्रगति की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि कार्यों के दौरान सुरक्षा के सभी मानकों का पालन कराया जाए जिससे संभावित दुर्घटनाओं को रोका जा सके।इस दौरान एडीएम (न्यायिक) विशाल यादव ,एसडीएम ऊंचाहार सिद्धार्थ चौधरी सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

विशेष अभियान के तहत दावे और आपत्तियां प्राप्त करने की अवधि 23 व 24 नवम्बर

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

रायबरेली । उप जिला निर्वाचन अधिकारी सिद्धार्थ ने जनपद वासियों से कहा है कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार अर्हता तिथि 01 जनवरी 2025 के आधार पर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत जनपद में समाविष्ट 06 विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में विद्यमान 2242 मतदेय स्थलों पर कार्यालय मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उत्तर प्रदेश, लखनऊ के निर्देशानुसार अर्हता तिथि 01 जनवरी 2025 के आधार पर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण 29 अक्टूबर से 28 नवम्बर 2024 तक होगा। उन्होंने बताया है कि इस कार्यक्रम के अंतर्गत दावे और आपत्तियों प्राप्त करने की अवधि में विशेष अभियान की तिथियां 23 व 24 नवम्बर 2024 अवशेष हैं। उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने जनपद के समस्त सामान्य एवं अर्ह मतदाताओं से कहा है कि अर्हता तिथि 01 जनवरी 2025 के आधार पर आलेख्य प्रकाशित मतदाता सूची का निरीक्षण अपने बी0एल0ओ0 के माध्यम से कर लें, यदि कोई त्रुटियां पाई जाती हैं तो निर्धारित प्रारूपों में आवेदन पत्र दाखिल किये जा सकते हैं। उन्होंने कहा है कि यदि अर्ह मतदाता का नाम मतदाता सूची में शामिल नहीं है तो फार्म-6 में आवेदन कर सकते हैं। प्रवासी मतदाता यदि अपना नाम मतदाता सूची में शामिल कराना चाहते है तो फार्म-6ए में आवेदन कर सकते हैं। यदि किसी नाम मतदाता सूची में गलत तरीके से दर्ज है तो आपत्ति हेतु फार्म-7 में आवेदन कर सकते हैं। यदि मतदाता का नाम मतदाता सूची में है परन्तु उसकी फोटो शामिल नहीं है तथा मतदाता सूची में किसी मतदाता के नाम/किसी प्रविष्टि में/फोटो में कोई गलती है तथा यदि मतदाता को अपने विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत किसी अन्य मतदेय स्थल पर स्थानान्तरित कराना है तो फार्म-8 में आवेदन कर सकते हैं।यूपी जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा है कि बी0एल0ओ0 के पास अर्हता तिथि 01 जनवरी 2025 के आधार पर आलेख्य प्रकाशन सूची का निरीक्षण कर ले यदि कोई त्रुटि पायी जाए तो उससे सम्बन्धित फार्म भर कर अपने बी0एल0ओ0 को उपलब्ध कराते हुए मतदाता सूची को शुद्ध एवं त्रुटिविहीन बनाये जाने में आपके सक्रिय सहयोग की अपेक्षा है।

थाना दिवस पर हरचंदपुर में डीएम-एसपी ने सुनी लोगों की फरियाद

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

रायबरेली । जिलाधिकारी हर्षिता माथुर ने पुलिस अधीक्षक डॉ यशवीर सिंह के साथ हरचन्दपुर

में थाना दिवस के अवसर पर लोगों की फरियाद सुनीं। उनके सामने राजस्व,आपसी रंजिस तथा महिला उत्पीड़न सहित अन्य शिकायते आईं। जिलाधिकारी ने थानाध्यक्ष तथा राजस्व अधिकारियों को इस अवसर पर प्राप्त शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध निस्तारण किए जाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि यदि किसी प्रकरण में जांच आदि की जरूरत हो तो अवश्य करें। समस्याओं के निस्तारण में किसी भी प्रकार की शिथिलता न बरती जाए और शिकायतों के निस्तारण पेपर पर ही नहीं बल्कि जमीनी स्तर पर भी किया जाये। उन्होंने कहा कि जांच पूरी तरह से निष्पक्ष,निर्भीक,पारदर्शिता व गुणवत्ता के साथ करे। दोषियों के विरुद्ध सुसंगत धाराओं में कठोर कार्यवाही करें। जिलाधिकारी ने राजस्व से संबंधित प्रकरणों के निस्तारण में राजस्व एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम बनाकर समस्याओं को निस्तारित कराने का निर्देश दिया। उन्होंने थाना दिवस रजिस्टर और भूमि विवाद रजिस्टर को भी देखा। कहा कि रजिस्टर में दर्ज विवादो को जल्द से जल्द निस्तारित कराया जाए। इस अवसर पर ज्वाइंट मजिस्ट्रेट प्रफुल्ल कुमार शर्मा, एडीएम न्यायिक विशाल यादव सहित पुलिस विभाग के साथ राजस्व विभाग के कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

टेबल टेनिस बालक/बालिका, एथलेटिक्स बालक व क्रिकेट बालक जूनियर वर्गों की जिला स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए खिलाड़ी खेल कार्यालय से संपर्क

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

रायबरेली । जिला क्रीड़ाधिकारी धीरेन्द्र कुमार पुरुषोत्तम ने बताया है कि जिला खेल कार्यालय, रायबरेली

के द्वारा पं0 दीनदायाल उपाध्याय जन्मशताब्दी के अवसर पर 27 नवम्बर 2024 को टेबल टेनिस बालक/ बालिका जूनियर वर्ग एवं 28 नवम्बर 2024 को एथलेटिक्स बालक जूनियर वर्ग एवं 27 से 29 नवम्बर 2024 क्रिकेट बालक जूनियर वर्ग जिला स्तरीय प्रतियोगिता आयोजित की जायेगी। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले उक्त खेलो में बालक/बालिका खिलाडियों (टीम) की प्रविष्टि निःशुल्क है। प्रतियोगिता में विजेता/ उपविजेता टीम को विभाग द्वारा निर्धारित पुरस्कार के रूप में धनराशि आर0टी0जी0एस0 के माध्यम से की जायेगी। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले इच्छुक खिलाडी/टीम अपनी प्रविष्टि जिला खेल कार्यालय मोतीलाल नेहरू स्टेडियम रायबरेली में दर्ज करा सकते है। अधिक जानकारी के लिये जिला क्रीड़ाधिकारी रायबरेली से टी0टी0 तथा शोएब खान अंशकालिक प्रशिक्षक, एथलेटिक्स एवं अश्वनी चन्द्रा, अंशकालिक प्रशिक्षक, क्रिकेट से अथवा जिला खेल कार्यालय रायबरेली से सम्पर्क स्थापित कर सकते है।

ADHUNIK TUTORIALS
" FOR THE STUDENTS, FROM A STUDENT "
FOR CLASSES 1st 5th
(ADMISSION OPEN)
FACILITIES
• Air Conditioned & Well Furnished Classroom
• Water Cooler Available
• Hygienic Washrooms
• CCTV for Safety Purposes
• In Campus Parking

Dr. (Er)PuneetArora (HON. DIRECTOR)
(B.Tech, M. Tech, MBA , Ph.D)
Awarded with ' Young Scientist & Best Teachers, Author of Many Books Chapters, Research Paper, Patent & Trademarks

Ms.Nilanjana Arora (Assistant Director)

• Ex. Student of Bethany Convent School, Bishop Johnson School & College, Girl's High School & College
• Pursuing B.Tech
• Awarded by TCS
• Certification in the Field of Web Development and Machine Learning .

Ms. Riya Arora (Counsellor)

• Ex. Student of Delhi Public School.
• Subject Topper of Delhi Public School
• Pursuing LLB from University of Allahabad .

Address: B-Block, ADA Colony, Mtek Campus, Naini, Prayagraj .
Contact :- Call and Whatsapp: 8542919234

बॉलीवुड/टेली मसाला

सिनेमा विषय पर चर्चा के दौरान दिग्गजों ने कहा, कास्टिंग काउच से निपटने के लिए सीखें 'नो' कहना

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। फिल्म निर्माताओं को समाज में महिलाओं की स्थिति को दर्शाने और उनके अधिकारों के लिए आवाज उठाने की जरूरत है। कह सकती हैं कि उनकी फिल्मी यात्रा में उनकी सभी फिल्मों में महिला सशक्तीकरण सर्वोच्चता के साथ प्रदर्शित होता है। जब वी मेट से लेकर अमर सिंह चमकीला तक उनकी मकसद मीडिया और मनोरंजन उद्योग में उभरती प्रतिभाओं के लिए देश में प्लेटफार्म उपलब्ध कराना और उन्हें अवसर देना है। सूचना और प्रसारण मंत्रालय के सचिव, संजय जाजू ने

अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव के दूसरे दिन संवाद सत्र के दौरान फिल्म निर्देशक इम्तियाज अली, निर्माता और अभिनेत्री सुहासिनी मणिरत्नम, खुशबू सुंदर, भूमि पेडणेकर ने जोर देकर यह बात कही कास्टिंग काउच के मसले पर वक्ताओं ने कहा कि इस मुद्दे को संवेदनशीलता के साथ हल किया जाना चाहिए। अपनी आवाज उठाते हुए दृढ़ता से 'नो' कहना सीखना होगा। इस मौके पर इम्तियाज अली समेत सभी वक्ताओं को सम्मानित किया गया। वक्ताओं ने भारतीय सिने जगत को महिलाओं को सम्मान देने वाला बताया। वाणी त्रिपाठी टिक्कू ने संवाद सत्र का संचालन करते हुए कहा, इम्तियाज अली को लेकर वह फिल्मों की महिलाएं अपने साहस और कार्यप्रणाली से अलग छाप छोड़ने वाली रही हैं। अभिनेत्री खुशबू सुंदर ने कहा, देश प्रेमी फिल्म में जब भी हेमा मालिनी सेट पर आती थीं, तो अमिताभ बच्चन से लेकर मनमोहन देसाई, केतन देसाई समते सभी वरिष्ठ खड़े होकर उनका अभिवादन करते थे। यह बताता है कि सिनेमा में महिलाओं का क्या स्थान है। भूमि पेडणेकर ने कहा कि उनके लिए भारतीय सिनेमा घर जैसा है। क्रिएटिव माइंड्स ऑफ टुमॉरो (सीएमओटी) का फिल्म महोत्सव में शानदार आगाज हुआ। युवा फिल्म निर्माताओं की अगली पीढ़ी को पोषित करने और सशक्त बनाने की दिशा में यह इफ्फी की सार्थक पहल है। इसका सीएमओटी के चौथे संस्करण को लॉन्च किया। फिल्म इंडस्ट्री में काम करने वाले कई निर्देशक और अभिनेताओं पर कास्टिंग काउच के आरोप लग चुके हैं। कुछ समय पहले मलयालम फिल्म इंडस्ट्री में भी ऐसा ही एक मामला सुर्खियों में था। बॉलीवुड निर्देशर इम्तियाज अली ने कहा कि इस पर उनकी राय स्पष्ट है कि जो औरत, जो लड़कियां नहीं बोल सकतीं हैं, उसके प्रति ऐसे व्यवहार की कोशिश बढ़ती है। इसलिए आवाज उठाए, सख्ती से 'नो' कहना चाहिए। सुहासिनी मणिरत्नम ने कहा कि अपने 43 साल के अनुभव से वह कह सकती हैं कि महिलाओं को अपना सम्मान खुद ही सुनिश्चित करना होगा।

बिग बॉस के घर में नए टाइम गॉड बने दिग्विजय राठी, विवियन और अविनाश ने उनके खिलाफ खोला मोर्चा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। बिग बॉस 18 अब काफी ज्यादा मनोरंजक हो चुका है। शो के नवीनतम एपिसोड में दिग्विजय राठी को टाइम गॉड बनते नजर आए ज्यादा बवाल देखने को मिला है।टाइम गॉड की रेस में अविनाश मिश्रा, करणवीर मेहरा और ईशा को मात देने के बाद इस हफ्ते दिग्विजय टाइम गॉड बने हैं। इस प्रतिष्ठित पद पर ड्यूटी नहीं करेंगे। इसके बाद जवाब में दिग्विजय ने विरोध किया और घोषणा की कि यदि वे कोई ड्यूटी नहीं करते हैं, तो उन्हें भोजन भी नहीं मिलेगा। इसके

हैं। उनके द्वारा बांटी गईं ड्यूटी को विवियन डी सेना तथा अविनाश मिश्रा ने करने से साफ इनकार कर दिया, जिससे शो में काफी बवाल देखने को मिला है। 'बिग बॉस 18' अब काफी मनोरंजक पड़ाव पर पहुंच चुका है। हर गुजरते दिन के साथ मनोरंजन का डोज भी बढ़ता जा रहा है। सलमान खान की मेजबानी वाले इस रियलिटी शो से जबर्दस्त हाईवोल्टेड ड्रामा देखने को मिल रहा है। शो में लगातार बनते और बिगड़ते समीकरण भी दर्शकों के लिए काफी दिलचस्प होते जा रहे हैं। गुरुवार की रात प्रसारित हुए एपिसोड में शो के प्रतिभागी घर के नए टाइम गॉड बने हैं, जिसके बाद घर में काफी आते ही उन्होंने घरवालों के बीच ड्यूटी बांटना शुरू किया। हालांकि, उनके द्वारा बांटे गई ड्यूटी से घर के ज्यादातर लोग सहमत थे, लेकिन विवियन डीसेना और अविनाश मिश्रा ने किसी भी तरह के काम करने से इनकार कर दिया। विवियन ने साफ कह दिया कि वो जब तक दिग्विजय टाइम गॉड हैं, तब तक कोई काम नहीं करेंगे। विवियन ने कहा, ह्लजब तक तू टाइम गॉड है तब तक मैं एक भी ड्यूटी नहीं करूंगा। मेरी ड्यूटी का नाम है 'मेरी मर्जी।' उनके ऐसा कहते हीं उनके दोस्त अविनाश ने भी तपाक से कहा कि वो भी जब तक दिग्विजय टाइम गॉड हैं, तब तक वह भी कोई बाद भी अविनाश और विवियन दोनों ही अपने फैसले पर अड़े रहे। बताते चलें कि दिग्विजय राठी बिग बॉस 18 के घर में वाइल्ड कार्ड कंटेस्टेंट के रूप में आए हैं। उनकी एंट्री से ही विवियन और अविनाश के साथ उनकी बहस शुरू हो गई थी। दिग्विजय के घर में एंट्री करते वक्त विवियन ही टाइम गॉड थे और तब विवियन द्वारा उन्हें सौंपी गई ड्यूटी करने से दिग्विजय ने भी इनकार कर दिया था। ऐसे में शो अब दर्शकों के लिए काफी दिलचस्प होता जा रहा है। बता दें कि ये शो जियो सिनेमा एप्प और कलर्स टीवी पर प्रसारित हो रहा है।

हंसाते-हंसाते कानूनी झमेले में फंसे ये स्टैंड अप कॉमेडियन, आलोचनाओं का भी करना पड़ा सामना

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। हाल ही में युवा कॉमेडियन यश राठी पर केस दर्ज हुआ है। आज हम जानेंगे इस कॉमेडियन से पहले किस-किस स्टैंड अप कॉमेडियन को कानूनी समस्याओं का सामना करना पड़ा है?हंसना-हंसाना तो सभी को पसंद है। अपनी रोजमर्रा की जिंदगी से हैरान और परेशान होकर लोग कॉमेडी का रुख करते हैं, ताकि वह

हल्का महसूस कर सकें। वह कॉमेडी फिल्में देखते हैं या कॉमेडी शो। कॉमेडी शो की ही एक विधा है स्टैंड अप कॉमेडी। इस विधा ने मेट्रो शहरों से शुरुआत की और अब छोटे शहरों तक फैल चुकी है। स्टैंडअप कॉमेडी करने वाले कई कॉमेडियन खूब मशहूर हुए नाम और पैसा कमाया। हालांकि, स्टैंडप कॉमेडी ने धीरे-धीरे अपने स्वरूप को बदला और कुछ कॉमेडियन्स ने इसमें अभद्र भाषा का उपयोग और जाने-अनजाने में लोगों की भावनाओं को भी आहत किया, जिसकी बदौलत उन्हें आलोचना के साथ-साथ कानूनी पचड़ों का भी सामना करना पड़ा। हाल ही में युवा स्टैंड अप कॉमेडियन यश राठी ने एक कॉलेज में अपनी प्रस्तुति के दौरान अश्लील और अभद्र भाषा का उपयोग किया। जिसके चलते उनके ऊपर केस दर्ज हो गया। आइए आज हम कुछ ऐसे ही स्टैंड अप कॉमेडियन के बारे में जानेंगे जो कानूनी विवाद में फंस चुके हैं। स्टैंड अप कॉमेडियन वीर दास ने अमेरिका में अपने एक शो के दौरान भारत से जुड़ी एक कविता पढ़ी थी। जिसे लेकर उनकी खूब आलोचना हुई। उनके ऊपर लोगों ने आरोप लगाया कि महिलाओं और भारत के खिलाफ ये अपमानजनक बयान भड़काऊ हैं और पुलिस कार्रवाई की मांग की थी। बाद में वीर दास ने इस पर सफाई भी पेश की थी। युवा स्टैंड अप कॉमेडियन मुनव्वर फारूकी का विवादों से काफी गहरा नाता रहा है। मुनव्वर फारूकी को वर्ष 2021 में इंदौर में गिरफ्तार किया गया था। उनके ऊपर हिंदू देवी-देवताओं पर अभद्र टिप्पणी करने और हिंदुओं की भावनाओं को आहत करने का आरोप था।कॉमेडियन कुणाल कामरा भी कानूनी विवाद में फंस चुके हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अदालत ने भी उनके खिलाफ मामला शुरू किया था। न्यायपालिका वेखिलाफ उनके ट्वीट के लिए उन पर कार्रवाई की गई थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक स्टैंड अप कॉमेडियन अग्रिमा जोशुआ के खिलाफ वर्ष 2020 में मुंबई के तत्कालीन गृह मंत्री अनिल देशमुख ने छत्रपति शिवाजी का अपमान करने के आरोप में कार्रवाई का आदेश दिया था।

'द साबरमती रिपोर्ट' की पहले सप्ताह में महज इतनी रही कमाई, जानें कुल कलेक्शन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। विक्रांत मैसी की फिल्म द साबरमती रिपोर्ट के सातवें दिन का बॉक्स ऑफिस रिपोर्ट सामने आ गया है। फिल्म अभी भी अपने प्रदर्शन में सुधार कर पाने में कामयाब नहीं रह सकी है। आइए, जानते हैं फिल्म के पहले सप्ताह की कमाईविक्रांत मैसी और राशि खन्ना अभिनीत 'द साबरमती रिपोर्ट' लगातार बॉक्स ऑफिस पर संघर्ष कर रही है। फिल्म की रिलीज को अब 7 दिन हो चुके हैं और फिल्म की कमाई में कोई सुधार नहीं हुआ है। हालांकि, फिल्म को कई राजनेताओं से काफी तारीफ मिली है, लेकिन फिर भी उसका असर बॉक्स ऑफिस कलेक्शन पर कोई सकारात्मक असर नहीं दिखा हैं। पहले दिन 1.25 करोड़ से शुरुआत करने वाली फिल्म अपने सातवें दिन भी महज 1.55 करोड़ रुपये की कमाई की है। बॉक्स ऑफिस पर खराब शुरुआत के बाद उम्मीद थी कि फिल्म कमाई कर चुकी है। इससे फिल्म की कुल कमाई 11.07 करोड़ रुपये तक पहुंच गई है।द साबरमती रिपोर्ट' 2002

अपनी बुरी शुरुआत को भूला कर वीकेंड पर अच्छा प्रदर्शन करेगी, लेकिन फिल्म शनिवार और रविवार को बेहतर प्रदर्शन नहीं कर पाई। फिल्म आज, गुरुवार को अब तक 72 लाख रुपये की के गोधरा ट्रेन अग्निकांड पर बेस्ड है, जिसमें विक्रांत मैसी एक पत्रकार की भूमिका में नजर आ रहे हैं। इस फिल्म में विक्रांत मैसी के साथ रिद्धि डोगरा और राशि खन्ना भी मुख्य भूमिका में हैं।

वीकएंड पर काम करने के नाम पर ऐसी हो जाती है देसी गर्ल की हालत

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। प्रियंका चोपड़ा मेहनत करने के मामले में कसर नहीं छोड़ती हैं। रातभर शूट हो या सुबह जल्दी

का, हर परिस्थिति में तैयार रहती हैं। लेकिन, वीकएंड पर काम करने के नाम पर उनकी हालत खराब हो जाती है।सप्ताह में पांच दिन काम और दो दिन आराम, अधिकांश लोग इसी अंदाज में जिंदगी जीते हैं। इंडस्ट्री में सितारे भी अक्सर वीकएंड पर मौज-मस्ती और आराम करने में यकीन रखते हैं। अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा का भी ऐसा ही हाल है। अगर वीकएंड पर उन्हें सुबह जल्दी उठना पड़ जाए या काम करने जाना पड़े तो उनकी हालत खराब हो जाती है। एक मजेदार वीडियो के जरिए उन्होंने खुद यह खुलासा किया है। प्रियंका चोपड़ा ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक वीडियो साझा किया है। दरअसल, मूल रूप से यह वीडियो 'दलूरददर्हैपत' नाम के इंस्टाग्राम अकाउंट से साझा किया गया है। देसी गर्ल ने इसे अपनी इंस्टा स्टोरी पर साझा करते हुए लिखा है, 'जब आपको शनिवार की सुबह 6 बजे काम करना पड़े'। वीडियो में एक छोटी बच्ची नजर आ रही है, जो बिस्तर से उठकर बहुत परेशान है और फिर खड़े-खड़े सोने लगती है। हाल ही में प्रियंका चोपड़ा ने एक और मजाकिया पोस्ट कर अपने रुटीन का जिक्र किया था। इंस्टा स्टोरी पर पोस्ट साझा कर उन्होंने लिखा था, 'जब मैं छोटी थी, तो सोने का समय रात 9 बजे था। तब मैं हर दिन बड़ी होने का इंतजार बड़ी बेसब्री से करती थी, ताकि मैं जब चाहूं सो सकूं। अब बड़े होकर हकीकत पता चली है'।प्रियंका चोपड़ा के वर्क फ्रंट की बात करें तो वे इन दिनों सिटाडेल के दूसरे सीजन की तैयारियों में व्यस्त हैं। इस सीरीज की शूटिंग चल रही है। इसके अलावा वे हेड्स ऑफ स्टेट और द ब्लफ में भी नजर आएंगी।

कार्तिक की 'पति पत्नी और वो 2' पर तेज हुई चर्चा, 'केजीएफ 2' वाली अभिनेत्री का जुड़ा नाम

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। कार्तिक आर्यन इस समय अपनी नवीनतम फिल्म 'भूल भुलैया 3' को लेकर चर्चा में हैं। इसके

अलावा अब उनकी अगली फिल्म 'पति पत्नी और वो' के सीक्वल को लेकर भी चर्चाएं तेज हो गई हैं। एक रिपोर्ट में फिल्म से इस अभिनेत्री के जुड़ने की चर्चा हो रही है। कार्तिक आर्यन इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म 'भूल भुलैया 3' की बॉक्स ऑफिस सफलता का आनंद ले रहे हैं। इस बीच अब उनकी आगामी फिल्म को लेकर चर्चाएं होनी शुरू हो गई हैं। कई मीडिया रिपोर्ट्स में बताया जा रहा है कि कार्तिक की आगामी फिल्म 'पति पत्नी और वो' के सीक्वल में बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री रवीन टंडन भी नजर आने वाली हैं। रवीना फिलहाल अपनी आगामी फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' की शूटिंग कर रही हैं, जो 'वेलकम' फ्रेंचाइजी की तीसरी किस्त है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, कार्तिक आर्यन की इस कॉमेडी ड्रामा फिल्म में रवीना उनके साथ नजर आ सकती हैं। पिंकविला के एक रिपोर्ट के मुताबिक एक सूत्र ने उन्हें बताया, ठरवीना टंडन पति पत्नी और वो 2 के लिए मुदस्सर अजीज के साथ बातचीत कर रही हैं। उन्हें इस कॉमेडी ड्रामा के सीक्वल में एक सिजलिंग भूमिका की पेशकश की गई है और वह इस फिल्म के लिए साइन करने के लिए बहुत उत्साहित हैं।ठ केजीएफ 2 में उन्हें दमदार किरदार में देखने के बाद फैंस निश्चित तौर पर उन्हें एक बार फिर से बड़े पर्दे पर देखने के लिए उत्साहित होंगे। रिपोर्ट के मुताबिक, रवीना का किरदार है, कार्तिक आर्यन के जीवन में उलझनें पैदा करता दिखेगा। फिल्म अभी प्री-प्रोडक्शन के चरण में हैं। इस फिल्म की शूटिंग अगले साल गर्मियों में शुरू होने की उम्मीद है। इस फिल्म में कार्तिक आर्यन के साथ भूमि पेडनेकर भी नजर आने वाली हैं। 'भूल भुलैया 3' के बाद 'पति पत्नी और वो' कार्तिक आर्यन की एक और बड़ी फ्रेंचाइजी होगी, जिससे उन्हें और उनके फैंस को काफी उम्मीदें भी रहेंगी। बताते चलें कि 'पति पत्नी और वो' साल 2019 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म में कार्तिक आर्यन, भूमि पेडनेकर और अनन्या पांडे मुख्य भूम्किाओं में नजर आए थे। इस फिल्म को मुदस्सर अजीज ने निर्देशित किया था। फिल्म में भूमि और कार्तिक ने पति-पत्नी की भूमिका निभाई थी, जबकि कंट्रोल अभिनेत्री ने दूसरी महिला यानी वो की भूमिका निभाई थी। यह फिल्म, साल 1978 की फ़िल्म पति पत्नी और वो पर आधारित है, जो अपने रिलीज के वक्त व्यावसायिक रूप से सफल रही थी।

राशिफल

मेष-:स्वास्थ्य संबंधी समस्या निकट है, इसलिए नियमित व्यायाम को दिनचर्या में शामिल करें और विश्वास करें कि इलाज से पहले सावधानी बरतना बेहतर है।

वृष- सप्ताह आपके लिए मंगलमय रहेगा। आपके रचनात्मक कार्यों में नाम होगा और आपको प्रसिद्धि भी मिलेगी। आप अपने मन के अनुसार निर्णय लेंगे।

मिथुन-: भावनात्मक रहेगा. आप खुद को अपनी अंतरतम भावनाओं और विचारों को व्यक्त करने की स्थिति में भी पा सकते हैं। घरेलू काम थकाने वाले होंगे।

कर्क-:जीवनसाथी का प्यारा व्यवहार आपका दिन खुशनुमा बना सकता है. अपने ख़र्चों पर नियंत्रण रखें से ख़र्च करने से बचें। भावनात्मक रूप से जोखिम उठाना आपके पक्ष में जाएगा।

सिंह-: आप जिस काम को पूरा करना चाहते हैं वह आसानी से पूरा हो जाएगा. किसी महत्वपूर्ण कार्य के पूर्ण होने पर बधाई देने के लिए लोगों का आना-जाना रहेगा।

कन्या-: आप सभी परेशानियों और चिंताओं को पीछे छोड़कर अपने परिवार के साथ कुछ समय बिताना चाहेंगे आपका जाता हुआ दिखाई देगा जिसके बारे में आपने सोचा भी नहीं होगा।

तुला-:किसी मित्र की उदासीनता आपको परेशान करेगी. लेकिन अपने आप को शांत रखें। इसे समस्या न बनने दें और इससे बचने की कोशिश करें।

वृश्चिक-: भाग्य आपका पूरा साथ देगा। जिन चीजों के लिए आप लंबे समय से प्रयास कर रहे थे, वो पूरी होने वाली हैं। जो प्रयास आपने अपनी ओर से व्यर्थ समझे थे।

धनु-: भौतिक सुख-सुविधाओं की ओर रुझान बढ़ेगा. जीवनसाथी के साथ वैचारिक मतभेद रहेंगे। आत्मबल में वृद्धि होगी। पारिवारिक समस्याओं से विचलित हो सकता है।

मकर-:खुद पर हद से ज्यादा दबाव न डालें और पर्याप्त आराम करें. रियल एस्टेट से जुड़े निवेश आपको अच्छा मुनाफा देंगे। आपका अडियल रवैया घर में लोगों का दिल दुखा सकता है।

कुंभ-: आपका झुकाव अध्यात्म की ओर रहेगा, मंदिर जाने या कोई धार्मिक कार्यक्रम आयोजित करने की योजना बना सकते हैं. आज आपको खुशी पाने के लिए अपने स्वभाव में थोड़ा लाने की जरूरत है।

मीन-: आपको कार्यक्षेत्र में सुख-समृद्धि की प्राप्ति होगी. परिवार और जीवन साथी का सहयोग मिलने की संभावना है। हालांकि छात्रों को अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए थोड़ी अधिक मेहनत करनी पड़

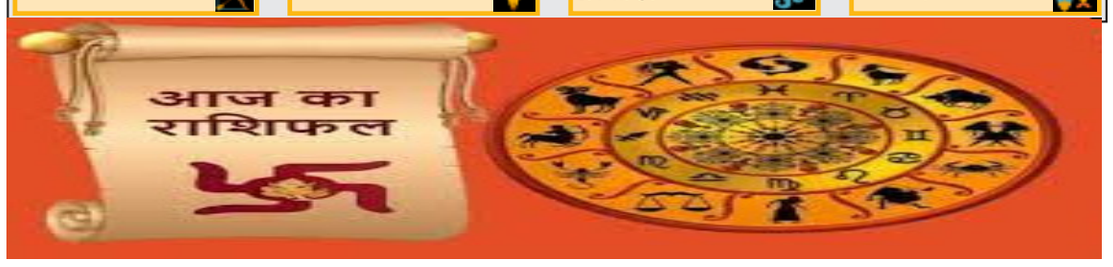

भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में बोले इम्तियाज, दुर्व्यवहार के लिए तीन लोगों को निकाला बाहर

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। बॉलीवुड के मशहूर निर्देशक इम्तियाज अली ने भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में फिल्म सेट पर सुरक्षा बनाए रखने को लेकर बात की है। इस दौरान उन्होंने बताया तीन मौकों पर वह अपनी टीम के सदस्यों को महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार के लिए निकाल भी चुके हैं। इस दौरान उन्होंने आलिया की फिल्म 'हाईवे' से भी जुड़ा एक वाकया साझा किया है। 'जब वी मेट', 'लव आज कल' और 'हाईवे' जैसी अपनी लोकप्रिय फिल्मों के लिए जाने जाने वाले मशहूर बॉलीवुड फिल्म निर्देशक भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में नजर आए हैं। इस दौरान उन्होंने फिल्म सेट पर सुरक्षा बनाए रखने और सिनेमा में महिलाओं के बदलते चित्रण को लेकर खुलकर बात की है। गोवा में भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में अभिनेत्री भूमि पेडनेकर और वाणी त्रिपाठी के साथ पैनल चर्चा के दौरान इम्तियाज ने अभिनेत्रियों के लिए सम्मानजनक माहौल बनाए

जाने के महत्व पर बात की है। इस दौरान उन्होंने आलिया भट्ट अभिनीत हाईवे फिल्म से जुड़े एक वाकये का भी जिक्र किया है। इस बातचीत के दौरान निर्देशक ने आलिया भट्ट की साल 2013 में रिलीज हुई फिल्म हाईवे से जुड़ा वाकया साझा किया। इम्तियाज ने कहा, ठहम एक ग्रामीण हाईवे पर शूटिंग कर रहे थे, जहां कोई उचित वैनिटी वैन नहीं थी। आलिया को कपड़े बदलने थे या शौच के लिए जाना था और उस दौरान एक क्रू मेंबर ने उनके आस-पास रहने की कोशिश की। इसके बाद मैंने तुरंत उसे हटा दिया। चमकीला निर्देशक ने खुलासा किया कि अपने दो दशक के करियर में उन्हें दुर्व्यवहार के लिए तीन मौकों पर क्रू मेंबर्स को हटाना पड़ा है। हालांकि, उन्होंने कहा कि अब समय काफी बदल गया है। अभिनेत्रियांअब सेट पर वाकई सुरक्षित हैं।ठ इम्तियाज ने बताया कि इंडस्ट्री ने किस तरह तरक्की की है, उन्होंने कहा, ठ अब बॉम्बे में फिल्म इंडस्ट्री अपनी महिलाओं के साथ जिस तरह का व्यवहार करती है, वह काफी बेहतर और उल्लेखनीय है। एक यूनिट में 200 लोग काम करते हैं, इसलिए यह उनके लिए बहुत सुरक्षित जगह है।फिल्म निर्माता ने जब वी मेट के सेट पर करीना कपूर से जुड़ा एक यादगार किस्सा भी साझा किया। रेलवे के डिब्बे में एक सीन के दौरान, करीना को ऊपर की बर्थ पर लेटना पड़ा, जबकि क्रू मेंबर लाइटिंग एडजस्ट कर रहे थे। जब इम्तियाज ने उन्हें एडजस्टमेंट के लिए नीचे आने का सुझाव दिया, तो करीना ने उनकी चिंताओं को खारिज करते हुए कहा, ठअभी कौन उतरेगा और फिर चढ़ेगा!ठ उन्होंने आगे कहा, ठवह अपने आस-पास तीन पुरुषों के खड़े होने से बहुत सहज थी। कोई भी किसी तरह की गलत नजर से नहीं देखता था।

सम्पादकीय

एएमयू पर एक और फैसले की प्रतीक्षा, एससी-एसटी और ओबीसी आरक्षण क्यों नहीं होना चाहिए

अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (एएमयू) पर सर्वोच्च न्यायालय के हालिया निर्णय का निहितार्थ क्या है? शीर्ष अदालत की सात सदस्यीय संविधान पीठ ने 1967 के फैसले को 4-3 से पलट दिया, जिसमें कहा गया था कि यह अल्पसंख्यक शिक्षण संस्थान नहीं है। यह स्थापित सत्य है और स्वयं एएमयू की आधिकारिक वेबसाइट में इसका उल्लेख है कि यह विश्वविद्यालय सर सैयद अहमद खान का विचारबीज है। 17 अक्टूबर 1817 को जन्मे सर सैयद अहमद खान 1838 में ईस्ट इंडिया कंपनी से जुड़े और 1857 में प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के समय अंग्रेजों की सहायता की। उनका विश्वास जीतकर वह 1867-76 के बीच ब्रितानी अदालत में न्यायाधीश रहे।अप्रैल 1869 में सर सैयद को इंग्लैंड में 'आर्डर आफ द स्टार आफ इंडिया' से नवाजा गया, तो 1887 में लार्ड डफरिन ने उन्हें 'सिविल सेवा आयोग' का सदस्य बना दिया। 'खान बहादुर' नाम से प्रख्यात सर सैयद की वफादारी से प्रमुदित ब्रिटिश हुकूमत ने उन्हें 1898 में 'नाइट' की उपाधि दी। 1885 में जब कांग्रेस की स्थापना के साथ देश में पूर्ण स्वतंत्रता और लोकतंत्रीय व्यवस्था की मांग उठनी शुरू हुई, तब ब्रितानियों के प्रति निष्ठावान सर सैयद ने मुस्लिमों को राष्ट्रीय आंदोलन से दूर करना प्रारंभ कर दिया। उन्होंने 'हिंदू-मुस्लिम', 'हिंदी-उर्दू', 'संस्कृत-फारसी' का मुद्दा उठाकर मुसलमानों की मजहबी भावनाओं के जरिये विचार स्थापित किया कि मुसलमान का कर्तव्य है कि वह अंग्रेजों के निकट और कांग्रेस से दूर रहे। इस अभियान में वह काफी हद तक सफल भी हुए, क्योंकि मुस्लिम समाज का एक बड़ा हिस्सा को संबोधित करते हुए लियाकत अली खान (पाकिस्तान के प्रथम प्रधानमंत्री) ने कहा, ठहम मुस्लिम राष्ट्र की स्वतंत्रता की लड़ाई जीतने के लिए आपको उपयोगी गोला-बारुद के रुप में देख रहे हैं।ठ कालांतर में हुए चुनावों में एएमयू छात्रों-शिक्षकों ने बढ़-चढ़कर मुस्लिम लीग का समर्थन किया। जो मुस्लिम नेता (मौलाना आजाद और प्रो हुमायूं कबीर आदि) तब विभाजन का विरोध कर रहे थे, उन पर एएमयू छात्रों ने मजहब का शत्रु मानते हुए हमला किया। विभाजन और स्वाधीनता पश्चात अपेक्षा थी कि या तो एएमयू बंद होगा या फिर इसके आधारभूत चिंतन में परिवर्तन आएगा, किंतु ऐसा नहीं हुआ। 22 अक्टूबर 1947 को पाकिस्तानी सेना ने कश्मीर पर हमला किया। इसके एक दिन पहले तक एएमयू छात्र पाकिस्तानी सेना में भर्ती हो रहे थे। इसकी भनक लगते ही उत्तर प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री गोविंद बल्लभ पंत ने गृहमंत्री सरदार पटेल को चिट्ठी लिखी और विश्वविद्यालय में पाकिस्तानी सैन्य अधिकारियों के प्रवेश पर प्रतिबंध लग गया। मई 1953 को विश्वविद्यालय के तत्कालीन कुलपति जाकिर हुसैन ने नेहरू सरकार को जानकारी दी कि कई पाकिस्तानी एएमयू में दाखिला ले रहे हैं। अगस्त 1956 में एएमयू छात्रों ने 'पाकिस्तान जिंदाबाद' के नारे लगाए। इसी विश्वविद्यालय में अलगाववादी तत्वों के बढ़ते प्रभाव के बीच जाकिर हुसैन ने कुलपति पद से इस्तीफा दे दिया। जब 1965 में नवाब अली यावर जंग को एएमयू का अगला कुलपति नियुक्त किया गया, तब छात्रों ने उन पर घातक हमला कर दिया, जिसमें उन्हें गंभीर चोटें लगीं। एएमयू 2018 में

राष्ट्रीय मुख्यधारा, चेतना से कट चुका था और कालांतर में वह पाकिस्तान के लिए आंदोलित भी हुआ। इस चिंतन का सूत्रपात सर सैयद ने 16 मार्च 1888 को मेरठ में यह भाषण देकर किया, ठसोचिए यदि अंग्रेज भारत में नहीं है, तो कौन शासक होगा? क्या दो राष्ट्र-हिंदू और मुसलमान एक सिंहासन पर बराबर के अधिकार से बैठ सकेंगे? नहीं। आवश्यक है कि उनमें से एक, दूसरे को पराजित करेंष्ठ आखिर सात सौ सालों तक भारत में आपका साम्राज्य रहा है। आप जानते हैं कि शासन करना क्या होता हैष्ठ मुसलमानों का सच्चा मित्र केवल ईसाई ही हो सकता हैष्ठ हमें ऐसी व्यवस्था अपनानी होगी, जिससे अंग्रेज भारत में हमेशा के लिए राज कर सकें और सत्ता कभी भी 'बंगालियों' के हाथों में न जाए।सर सैयद कांग्रेस के नेताओं को अक्सर 'बंगाली' कहकर तिरस्कृत करते थे, क्योंकि तब अधिकांश कांग्रेसी नेतृत्व बंगाल से था। अपनी इसी वैचारिक पृष्ठभूमि में सर सैयद ने 1875-77 के दौरान अलीगढ़ में मदरसातुल उलूम और मुस्लिम-एंग्लो ओरिएंटल कालेज की स्थापना कर चुके थे, जिसे उनके निधन के 22 वर्ष बाद तत्कालीन ब्रितानी सरकार ने 'अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय' का स्वरूप दिया। एएमयू का मूल उद्देश्य क्या था? 1930-33 में पाकिस्तान का खाका खींचने के बाद एएमयू, मु?स्लिम लीग का अनौपचारिक राजनीतिक-वैचारिक प्रतिष्ठान बन गया। एएमयू छात्रसंघ ने कांग्रेस को फासीवादी बताते हुए 1941 में मजहब आधारित विभाजन का प्रस्ताव पारित किया। जिन्ना ने 10 मार्च 1941 को एएमयू को 'पाकिस्तानी आयुधशाला' बताया, तो उसी वर्ष अगस्त में एएमयू छात्रों भी अपने 'जिन्ना प्रेम' के कारण विवादों में था।स्वतंत्रता से पहले भारत की राष्ट्रीय आकांक्षाओं (स्वाधीनता सहित) और एएमयू के घोषित एजेंडे के बीच टकराव था। जब शेष भारत अपनी स्वतंत्रता के लिए संघर्षरत था, तब एएमयू सर सैयद के 'दो-राष्ट्र सिद्धांत' को मूर्त रूप दे रहा था, जिसने भारतीय उपमहाद्वीप में एक अलग इस्लामी देश- पाकिस्तान को जन्म दिया। एएमयू के इस चरित्र से स्वतंत्र भारत के पहले प्रधानमंत्री पं.नेहरू भी परिचित थे। 24 जनवरी, 1948 को एएमयू के दीक्षांत समारोह में भाषण देते हुए नेहरू ने कहा था, मुझे अपनी विरासत और अपने पूर्वजों पर गर्व है, जिन्होंने भारत को बौद्धिक और सांस्कृतिक श्रेष्ठता प्रदान की। आप इस अतीत पर कैसा अनुभव करते हैं.हमारे मजहब अलग-अलग हो सकते हैं, किंतु यह उस सांस्कृतिक विरासत से वंचित होने का कारण नहीं बन जाता, जो आपकी भी है और मेरी भी।आजादी के बाद स्वतंत्र भारत ने हाशिये पर पड़े समाज के उन वर्गों को सशक्त बनाने का लक्ष्य रखा, जिन्होंने ऐतिहासिक अन्याय झेला था। इसके परिमार्जन के लिए सकारात्मक और दृढ़ कदम उठाते हुए संविधान में अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षण का प्रावधान किया गया। कांग्रेस सहित स्वयंभू सेक्युलरवादियों की अनुकंपा से एएमयू लगातार समाज के इन दोनों वर्गों समेत ओबीसी को भी संवैधानिक अधिकार देने से इन्कार करता रहा। यक्ष प्रश्न यह है कि क्या स्वतंत्र भारत में सरकार द्वारा वित्तपोषित संस्थान में एससी-एसटी और ओबीसी आरक्षण क्यों नहीं होना चाहिए? यह वह प्रश्न है, जिस पर गंभीरता से विचार होना चाहिए? देखना है ।

सुनिश्चित की जाए बच्चों की सुरक्षा, आखिर वे पढ़ेंगे कैसे

बहुत पुरानी बात नहीं इसी साल जनवरी में यह बताया गया था कि बच्चों के खिलाफ साइबर क्राइम में 32 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। अफसोस की बात यह है कि बच्चों के खिलाफ अपराधों का ग्राफ बढ़ता ही जा रहा है। वैसे तो बच्चे और बच्चियां दोनों ही यौन अपराधों का शिकार हो रहे हैं मगर बच्चियों की संख्या ज्यादा है।पिछले दिनों गाजियाबाद से खबर आई कि नर्सरी में पढ़ने वाली चार साल की बच्ची का बस के चालक, परिचालक और सहायक ने यौन शोषण किया। स्कूल अधिकारियों को जब पता चला तो तीनों को नौकरी से निकाल दिया गया और उन पर केस दर्ज कराया। बच्ची के परिवार वालों ने केस दर्ज नहीं कराया था। दूसरे बच्चों के माता-पिता को जब इस बात की सूचना मिली तो उन्होंने स्कूल के बाहर विरोध-प्रदर्शन किया। खबर के अनुसार बच्ची उस वक्त बस में अकेली थी।सवाल यह है कि इतनी छोटी बच्ची बस में अकेली क्यों थी? उसके साथ स्कूल की कोई महिला कर्मचारी क्यों नहीं थी? हाल में उत्तर प्रदेश महिला आयोग ने इस तरह की मांग की थी कि सभी स्कूल बसों में महिला सुरक्षा कर्मचारियों को होना चाहिए। उत्तर प्रदेश के शामली जिले में तो अधिकारियों ने इस तरह की व्यवस्था भी कर दी है कि स्कूल बसों में महिला सुरक्षा गार्ड या महिला शिक्षक का होना जरूरी है। ध्यान रहे कि निर्भया कांड के बाद दफ्तरों में महिला कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए यह नियम बनाया गया था कि रात की पाली में काम करने वाली महिला कर्मचारियों के साथ दफ्तर का कोई कर्मचारी अवश्य होगा और वह यह सुनिश्चित करेगा कि महिला या लड़की अपने घर सकुशल पहुंच जाए। आखिर ऐसा नियम स्कूल बसों पर लागू क्यों नहीं है छोटी बच्चियां तो यौन अपराध को समझ भी नहीं सकतीं। उनके दिल में ऐसी घटनाओं के प्रति इतना भय बैठ जाता है कि कई बार उसे दूर करना मुश्किल हो जाता है। इसीलिए पुलिस उन बच्चियों की काउंसलिंग कराती है, जिनके साथ ऐसा अपराध हुआ होता है। चिंता की बात यह है कि ऐसी खबरें लगातार

आती रहती हैं। रतलाम में एक पांच वर्ष की बच्ची के साथ स्कूल के ही एक कर्मचारी के नाबालिग लड़के ने यौन अपराध किया। ठाणे के एक स्कूल में स्कूल के ही एक कर्मचारी ने दो बच्चियों के साथ यौन अपराध किया। नोएडा के एक नामी स्कूल में भी छोटी बच्ची के साथ डिजिटल रेप किया गया। इन सभी मामलों में बच्चों के माता-पिता स्कूल में विरोध करने भारी संख्या में पहुंचे। एनसीआरबी के 2023 के आंकड़ों के अनुसार 2022 में बच्चों के प्रति अपराधों(यौन अपराध समेत) में 26 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। दिल्ली में सबसे अधिक 7,400, मुंबई में 3,178, बेंगलुरु में 1,578 और जयपुर में सबसे कम 748 दर्ज किए गए, जबकि कर्नाटक में ऐसे मामलों में छियालीस प्रतिशत तक बढ़ोतरी देखी गई। बहुत पुरानी बात नहीं, इसी साल जनवरी में यह बताया गया था कि बच्चों के खिलाफ साइबर क्राइम में 32 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। अफसोस की बात यह है कि बच्चों के खिलाफ अपराधों का ग्राफ बढ़ता ही जा रहा है। वैसे तो बच्चे और बच्चियां दोनों ही यौन अपराधों का शिकार हो रहे हैं, मगर बच्चियों की संख्या ज्यादा है। सवाल यह है कि जिन स्कूलों में बच्चे और बच्चियां पढ़ने जाते हैं, वहां जब कोई अपराध हो जाता है, तभी अधिकारी क्यों जागते हैं? पहले से इन बातों पर ध्यान क्यों नहीं दिया जाता या हम उस दौर में फिर से पहुंचना चाहते हैं, जहां लड़कियां लड़कियों के ही स्कूल में पढ़ती थीं। माना जाता है कि लड़के-लड़कियां अगर साथ पढ़ते हैं, तो उनका विकास सही तरीके से होता है। यह धारणा सही भी है। जब ऐसे सर्वेक्षण किए जाते थे कि माता-पिता आखिर अपनी बच्चियों को स्कूल क्यों नहीं भेजते या बीच में ही उनकी पढ़ाई क्यों छुड़वा दी जाती है तो माता-पिता यही कहते थे कि उन्हें अपनी लड़कियों की सुरक्षा की चिंता रहती है।बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने जब स्कूल जाने वाली लड़कियों को साइकिलें दी थीं, तो स्कूल जाने वाली लड़कियों की संख्या में भारी उछाल आया था। उस समय समाचार पत्रों में स्कूल जाने वाली लड़कियों के चित्र छपे जाते थे। वे इतनी ज्यादा थीं कि सड़क पर एक इंद्रधनुष सा दिखाई देता था। इस तरह समूह में जाने पर उनकी सुरक्षा की चिंता भी उतनी नहीं रहती थी, लेकिन जब दिल्ली और मुंबई जैसे महानगरों में स्कूलों में बच्चियों-बच्चों के प्रति तरह-तरह के अपराध हो रहे हैं, तो क्या यह धारणा गलत मान ली जाए कि महानगर महिलाओं, बच्चियों, लड़कियों के लिए अधिक सुरक्षित होते हैं? स्कूलों में होने वाले अपराधों को कैसे बढ़ने से रोका जा सकता है? इस पर सिर्फ विचार-विमर्श ही न हो, बल्कि प्रभावी उपायों को जमीन पर उतारा जाए। यदि बच्चियां स्कूल और स्कूल परिवहन के साधनों में ही सुरक्षित नहीं, तो वे पढ़ेंगी कैसे? कैसे माता-पिता स्कूलों पर भरोसा करेंगे कि एक बार बच्ची या बच्चा स्कूल चला गया, तो घर वापस आने तक उसे कोई खतरा नहीं है।इन दिनों मोबाइल पर पोर्न सहज उपलब्ध है। भारत में इसे देखने वाले भी बहुत हैं। छोटे बच्चों के साथ बनाई गई ऐसी फिल्मों को भी देखने वाले लोग हैं। भारत सरकार भले ही इस तरह के पोर्न पर प्रतिबंध लगा दे, लेकिन इंटरनेट के जमाने में इन्हें कहीं न कहीं से खोज ही लिया जाता है। यौन अपराधों में पोर्न की बड़ी भूमिका मानी जाती है। जब से हर एक के हाथ में स्मार्टफोन आया है, ऐसे अपराध लगातार बढ़ रहे हैं। कुछ साल पहले मुंबई में दो बच्चों ने पांच साल की एक बच्ची से दुष्कर्म किया था। ऐसे में बच्चियां क्या करें? वे कहां जाएं, क्योंकि न स्कूल, न बस, न खेल की जगह सुरक्षित है। कई बार तो कामकाजी माता-पिता अपने बच्चों की देखभाल के लिए जिन सहायकों को रखते हैं, वे भी बच्चों के साथ अपराध करते पाए जाते हैं। यदि मासूम बच्चे ही सुरक्षित नहीं तो समाज में कौन सुरक्षित रह सकता है।

रचनात्मक अर्थव्यवस्था का नेतृत्व करता भारत, नवरचना को बढ़ावा देने के लिए सरकार प्रतिबद्ध

क्रिएट इन इंडिया चैलेंज भारत की सृजनात्मक अर्थव्यवस्था (क्रिएटर इकोनामी) की अपार संभावनाओं को उजागर करने के लिए डिजाइन की गई एक अग्रणी पहल है। वेव्स की तैयारी के हिस्से के रूप में शुरू की गई इन चुनौतियों का उद्देश्य एनिमेशन गेमिंग संगीत ओटीटी कंटेंट और इमर्सिव स्टोरीटेलिंग जैसे प्रमुख क्षेत्रों में प्रतिभाओं को प्रेरित और सशक्त बनाना है । आप पूरी दुनिया में भारत के डिजिटल प्रतिनिधि हैं। आप वोकल फार लोकल के ब्रांड एंबेसडर हैं।ङ्क इस साल के शुरू में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा प्रथम नेशनल क्रिएटर अवार्ड प्रदान करते समय कहे गए ये प्रेरक शब्द भारत की रचनात्मक अर्थव्यवस्था की परिवर्तनकारी भूमिका को उजागर करते हैं। आज हमारे रचनाकार केवल कहानीकार नहीं हैं, वे राष्ट्र का निर्माण कर भारत की पहचान को आकार दे रहे हैं और वैश्विक स्तर पर इस क्षेत्र की गतिशीलता का प्रदर्शन कर रहे हैं। आज से गोवा में 55वां भारतीय अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (आइएफएफआइ) का आरंभ हो रहा है, जिसकी थीम 'युवा फिल्म निर्माता-भविष्य अब है।' अगले आठ दिनों में आइएफएफआईसैकड़ों फिल्मों के प्रदर्शन के साथ फिल्म क्षेत्र के दिग्गजों के साथ संवाद करेगा। इसमें वैश्विक सिनेमा की सर्वश्रेष्ठ प्रतिभाओं को सम्मानित किया जाएगा। वैश्विक और भारतीय सिनेमाई उत्कृष्टता का यह संगम भारत की रचनात्मक अर्थव्यवस्था को नवाचार, रोजगार और सांस्कृतिक कूटनीति के एक केंद्र के रूप में व्यक्त करता है। भारत की रचनात्मक अर्थव्यवस्था 30 बिलियन डालर के उद्योग के रूप में सामने आई है, जो सकल घरेलू उत्पाद में लगभग 2.5 प्रतिशत का योगदान देती है और 8 प्रतिशत कार्यबल को रोजगार प्रदान करती है। सिनेमा, गेमिंग, एनीमेशन, संगीत, प्रभावशाली मार्केटिंग और अन्य गतिविधियों को समाहित करने वाला यह क्षेत्र भारत के सांस्कृतिक परिदृश्य की जीवंतता को दर्शाता है। 3,375 करोड़ रुपये मूल्य वाले एक प्रभावशाली मार्केटिंग क्षेत्र और 2,00,000 से अधिक पूर्णकालिक सामग्री निर्माताओं के साथ यह उद्योग भारत की वैश्विक आकांक्षाओं को आगे बढ़ाने वाली एक गतिशील शक्ति है। गुवाहाटी, कोच्चि और इंदौर आदि शहर रचनात्मक केंद्र बन रहे हैं, जो

विकेंद्रीकृत रचनात्मक क्रांति को बढ़ावा दे रहे हैं। भारत के 110 करोड़ इंटरनेट उपयोगकर्ता और 70 करोड़ सोशल मीडिया उपयोगकर्ता रचनात्मकता के इस लोकतंत्रीकरण को आगे बढ़ा रहे हैं। सोशल मीडिया प्लेटफार्म और ओटीटी सेवाएं रचनाकारों को विश्व स्तर पर दर्शकों से सीधे जुड़ने में सक्षम बनाती हैं। क्षेत्रीय सामग्री और स्थानीय स्तर की कहानी कहने की प्रतिभा ने कथा को और विविधता प्रदान की है, जिससे भारत की रचनात्मक अर्थव्यवस्था वास्तव में समावेशी बन गई है। ये सभी कंटेंट क्रिएटर आर्थिक स्तर पर अभूतपूर्व सफलता प्राप्त कर रहे हैं। इनके दस लाख से ज़्यादा फालोअर्स हैं और ये प्रति माह 20,000 से 2.5 लाख रुपये तक कमा रहे हैं। यह व्यवस्था आर्थिक रूप से लाभकारी है और सांस्कृतिक अभिव्यक्ति और सामाजिक प्रभाव के लिए एक मंच भी। रचनात्मक अर्थव्यवस्था का गहरा प्रभाव है, जो सकल घरेलू उत?पाद के विकास से कहीं आगे तक विस?तारित है। यह पर्यटन, आतिथ्य और प्रौद्योगिकी सहित विभिन्न क्षेत्रों के सहायक उद्योगों को काफी प्रभावित करता है। इसके अलावा डिजिटल प्लेटफार्म उपेक्षित लोगों की आवाज भी मजबूती से उठाता है। यह सामाजिक समावेशन, विविधता और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण को भी समृद्ध करता है। कथ?य प्रस?तुत करने की अपनी कला द्वारा भारत ने बालीवुड से लेकर क्षेत्रीय सिनेमा तक अपनी वैश्विक साफ्ट पावर को मजबूती दी है, जो विश्व मंच पर प्रचुर सांस्कृतिक भाव प्रदर्शित करता है। यह क्षेत्र वैश्विक स्थिरता के लक्ष्यों के साथ भी जुड़ा है, जिसमें पर्यावरण अनुकूल उत्पादन पद्धतियां और फैशन के क्षेत्र में टिकाऊ प्रक्रियाएं शामिल हैं, जो पर्यावरण के प्रति जागरूकता की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। भारत की रचनात्मक अर्थव्यवस्था को वैश्विक मंच पर उच?च स?थान पर पहुंचाने के लिए सरकार तीन प्रमुख स्तंभों पर प्राथमिकता से ध?यान दे रही है: प्रतिभा संकलन और उनकी क्षमता बढ़ाना, सृजनकारों के लिए बुनियादी ढांचा सुदृढ़ करना और फिल?म कथ?य शिल?प को सशक्त बनाने की प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करना। यह दृष्टिकोण भारतीय रचनात्मक प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइसीटी) की स्थापना नवरचना और रचनात्मकता को बढ़ावा देने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता दर्शाता है। आइआइसीटी का उद्देश्य भारतीय सृजनकारों, चाहे वे सिनेमा, एनीमेशन, गेमिंग या डिजिटल कला क्षेत्र के हों, को घरेलू स्तर पर और एक एकीकृत सांस्कृतिक शक्ति के रूप में तथा वैश्विक मनोरंजन के क्षेत्र में अग्रणी बनाना सुनिश्चित करना है। फिल्म निर्माण में नवीनतम तकनीक अपनाकर संवाददात?मक मनोरंजन और अपने सम?मोहन के साथ भारत मनोरंजन सामग्री निर्माण का भविष्य फिर से परिभाषित कर रहा है। विश्व आडियो विजुअल और मनोरंजन शिखर सम्मेलन (वेव्स) देश को कंटेंट निर्माण और अनूठे विचार के साथ वैश्विक शक्ति के रूप में स्थापित करने की ऐतिहासिक पहल है। डब?ल?यूएवीईएस एक गतिशील मंच है, जहां सृजनकार इस उद्योग के अग्रणी और नीति निर्माता आडियो विजुअल और मनोरंजन क्षेत्रों के भविष्य को आकार देने के लिए साथ मिले हैं। प्रधानमंत्री की क्रिएट इन इंडिया दृष्टि के अनुरूप यह सम्मेलन इस क्षेत्र में सहयोग को बढ़ावा देता है, साथ ही भारत की रचनात्मक क्षमता का प्रदर्शन कर वैश्विक भागीदारों को अपने से जुड़ने के लिए प्रोत्साहित करता है। क्रिएट इन इंडिया चैलेंज भारत की सृजनात्मक अर्थव्यवस्था (क्रिएटर इकोनामी) की अपार संभावनाओं को उजागर करने के लिए डिजाइन की गई एक अग्रणी पहल है। वेव्स की तैयारी के हिस्से के रूप में शुरू की गई इन चुनौतियों का उद्देश्य एनिमेशन, गेमिंग, संगीत, ओटीटी कंटेंट और इमर्सिव स्टोरीटेलिंग जैसे प्रमुख क्षेत्रों में प्रतिभाओं को प्रेरित और सशक्त बनाना है। 14,000 से अधिक पंजीकरणों और स्टार्टअप्स, स्वतंत्र रचनाकारों और उद्योग के पेशेवरों की सक्रिय भागीदारी के साथ यह पहल भारत की अभिनव भावना को प्रदर्शित करती है। जब हम आइएफएफआईमें सिनेमाई प्रतिभा के इस आठ दिवसीय उत्सव की शुरुआत कर रहे हैं, तो संदेश स्पष्ट है: भारत के रचनाकार वैश्विक रचनात्मक अर्थव्यवस्था का नेतृत्व करने के लिए तैयार हैं। भारत सरकार नीतिगत सुधारों, बुनियादी ढांचे के विकास और नवाचार के लिए प्रोत्साहन के माध्यम से इस क्षेत्र का समर्थन करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। हमारे रचनाकारों के लिए कार्रवाई का आह्वान सरल, लेकिन गहरा है। वे उ3, वर्चुअल प्रोडक्शन और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसी अत्याधुनिक तकनीक अपनाएं तथा ऐसे प्लेटफार्म का लाभ उठाएं, जो भौगोलिक बाधाओं को पार करते हैं और ऐसी कहानियां बताते हैं, जो भारत की अनूठी पहचान दर्शाते हुए वैश्विक स्तर पर गूंजती हैं। भविष्य उन लोगों का है जो नवाचार करते हैं, सहयोग करते हैं और सहजता से सृजन करते हैं। आइए हम साथ मिलकर यह सुनिश्चित करें कि हर भारतीय रचनाकार एक वैश्विक कहानीकार बने, ताकि भविष्य को आकार देने वाली कहानियों के लिए पूरा विश्व भारत की ओर देखे।

सत्ता के लिए सब कुछ दांव पर, नीति-सिद्धांत-विचारधारा न इधर है, न उधर

महाराष्ट्र और झारखंड विधानसभा चुनावों में जोड़तोड़-गठजोड़ से लेकर लोक लुभावन वायदों तक पर जोर बताता है कि सत्ता के दावेदारों को अपने दम पर भरोसा नहीं। ये दावेदार कभी-न-कभी सत्ता में रह चुके हैं। फिर ऐसा क्यों है कि उन्हें अपने काम पर जनादेश का विश्वास नहीं? इस सवाल का जवाब बिना दिए भी समझा जा सकता है। इसीलिए दोनों ही राज्यों में येन केन प्रकारेण सत्ता हासिल करने के लिए जोड़तोड़-गठजोड़ से लेकर मुफ्त की रेवड़ियों तक हरसंभव बिसात बिछानी पड़ी में नीति-सिद्धांत-विचारधारा न इधर थी, न उधर। बस सत्ता की धारा ही सभी के सिर चढ़ कर बोल रही थी। जब जैसे जिसको मौका मिल रहा था, वह सत्ता की धारा में डुबकी लगा रहा था। महाराष्ट्र में परिवार भी टूटे। अब अजित पवार ने कहा है कि 2019 के नाटक के रचयिता तो शरद पवार ही थे। मान चाचा ने भी लिया है कि हां, वह भाजपा के साथ सरकार बनाने की विचार प्रक्रिया में शामिल थे, पर उस पर भरोसा नहीं कर पाए। महाराष्ट्र के चुनावी परिदृश्य में भाजपा और कांग्रेस ही

है। सत्ता के इस खेल में इस बात की परवाह किसी ने नहीं की कि इन राज्यों की पहले से खराब अर्थव्यवस्था के लिए उनकी चुनावी चालें कितनी घातक साबित होंगी। दरअसल सत्ता की जंग में सब कुछ जायज मान लिया गया है-और इस काम में कोई किसी से पीछे नहीं। पिछले पांच साल महाराष्ट्र लगातार राष्ट्रीय राजनीति के भी केंद्र में बना रहा। 2019 के विधानसभा चुनाव में भाजपा-शिवसेना को मिले स्पष्ट बहुमत से लेकर मुख्यमंत्री पद पर टकराव और अलगाव तथा फिर बेमेल गठबंधनों के बीच सत्ता के खेल तक महाराष्ट्र ने राजनीतिक पतन के नए आयाम ही स्थापित किए। भाजपा ने शरद पवार की राकांपा से भतीजे अजित पवार की कुछ दिनों की बगावत के जरिये 80 घंटों की सरकार बना कर अपनी साख दांव पर लगाई तो मुख्यमंत्री बनने के लिए उद्धव ठाकरे ने उसी कांग्रेस से हाथ मिला लिया, जिसके विरुद्ध उनके पिता बाला साहेब ठाकरे ने शिवसेना बनाई थी। राजनीति की नाटकीयता यहीं समाप्त नहीं हुई। हिंदुत्व के मुद्दे पर अपने सबसे पुराने और मुखर साथी रहे बाला साहेब के उत्तराधिकारी उद्धव को मुख्यमंत्री न बनाने वाली भाजपा ने उनकी शिवसेना तोड़ने वाले एकनाथ शिंदे को मुख्यमंत्री और अपने पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को उप मुख्यमंत्री बना कर अपनी साख फिर सवालिया निशान स्वयं लगा लिया। 80 घंटे की फडणवीस सरकार में उप मुख्यमंत्री रह कर राकांपा में लौट गए अजित में फिर बगावत ने अंगड़ाई ली और वह विधायकों के बहुमत के साथ पार्टी तोड़ कर भाजपा-शिंदे शिवसेना की महायुति सरकार संग जाकर पांचवीं बार राज्य के उप मुख्यमंत्री बन गए। सत्ता के इस खेल दो बड़े दल हैं। भाजपा की महायुति और कांग्रेस की महाविकास आघाड़ी, दोनों में ही गिनती के लिए तीन-तीन दल हैं, लेकिन दरअसल शेष दो दल विभाजित गुट हैं, जिनकी राजनीतिक स्वीकार्यता की परीक्षा हैं ये चुनाव। शिंदे के नेतृत्ववाली शिवसेना और अजित पवार के नेतृत्ववाली राकांपा, महायुति में है तो उद्धव के नेतृत्ववाली शिवसेना और शरद पवार के नेतृत्ववाली राकांपा, महाविकास आघाड़ी में है। विचित्र स्थिति है कि दोनों बड़े दल इन गुटों पर ज्यादा निर्भर नजर आ रहे हैं, जबकि उनकी विश्वसनीयता संदिग्ध बनी हुई है। शरद पवार अपने विधायकों की संख्या से भी कई गुणा सीटें अपनी राकांपा के लिए हासिल करने में सफल रहे। अजित पवार महायुति में होते हुए भी भाजपा की चुनावी रणनीति का मुखर विरोध कर रहे हैं। भाजपा जिन नबाव मलिक पर अंडरवर्ल्ड से रिश्तों के आरोप लगाती रही, उन्हें और उनकी बेटी को भी अजित ने विधानसभा टिकट दिया। यह कौन-सा गठबंधन धर्म है? शिंदे के साथ भाजपा के रिश्ते सहज नजर आते हैं, पर उन्हें दी गईं ज्यादा सीटों में राजनीतिक जोखिम भी है। खुद सत्ता के दावेदारों में ऐसे भ्रम के बीच मतदाता के लिए किसी दल-उम्मीदवार का चयन आसान तो नहीं होगा। झारखंड का चुनावी परिदृश्य भी जोड़तोड़ और वायदों के मायाजाल से मुक्त नहीं है। तमाम आशंकाओं के बीच झारखंड मुक्ति मोर्चा-कांग्रेस-राजद गठबंधन सरकार कार्यकाल पूरा करने में सफल रही, लेकिन इस बीच एक 'मनी लांड्रिंग' मामले में मुख्यमंत्री पद छोड़ कर हेमंत सोरेन को कुछ महीने जेल में गुजारने पड़े।

स्पोर्ट्स

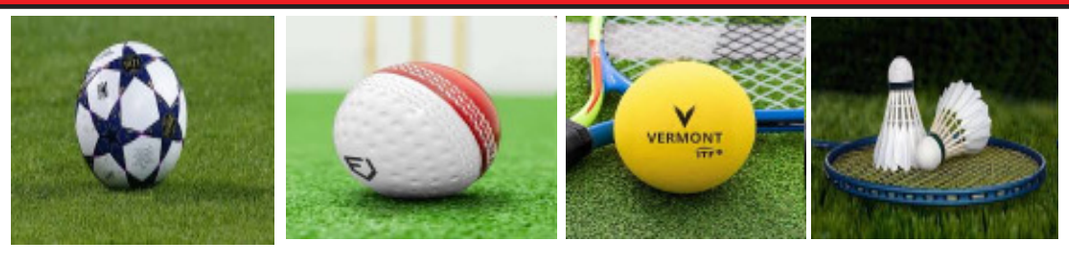

ऑस्ट्रेलिया लगातार तीसरी बार डेविस कप के सेमीफाइनल में पहुंचा, अमेरिका को 2-1 से हराया

ऑस्ट्रेलिया। मैट एबडेन अ?र जॉर्डन थाम्पसन की ऑस्ट्रेलियाई जोड़ी ने बेन शेल्टन और टॉमी पॉल की जोड़ी को 6-4, 6-4 से हराया ऑस्ट्रेलिया ने अमेरिका को 2-1 से हराकर लगातार तीसरे वर्ष डेविस कप के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। दोनों एकल में 1-1 की बराबरी के बाद युगल में नतीजा निकला। मैट एबडेन अ?र जॉर्डन थाम्पसन की ऑस्ट्रेलियाई जोड़ी ने बेन शेल्टन और टॉमी पॉल की जोड़ी को 6-4, 6-4 से हराया। ऑस्ट्रेलिया 28 बार डेविस कप टेनिस का चैंपियन रहा है। अब उसकी टक्कर गत विजेता इटली और अर्जेंटीना के बीच होने वाले मुकाबले के विजेता से होगी। अन्य सेमीफाइनल नीदरलैंड और जर्मनी के बीच होगा। इससे पहले शुरुआती एकल में ऑस्ट्रेलिया के थानासी ने चार मैच प्वाइंट बचाते हुए बेन शेल्टन को 6-1, 4-6, 7-6 (14) से हराकर अपनी टीम को बढ़त दिलाई। उसके बाद यूएस ओपन के उपविजेता फ्रिट्ज़ दुनिया के नौवें नंबर के डि मिनोर को 6-3 , 6-4 से हराकर अमेरिका को बराबरी पर ले आए।

दोहरे ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता ब्राउनली ने किया संन्यास का एलान, बोले- अब समय आ गया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। लंदन 2012 में ब्राउनली ने 1500 मीटर की तैराकी, 40 मीटर की बाइक रेस, दस किमी की दौड़ जीती। उनके छोटे भाई जोनाथन ने कांस्य पदक जीता था। उसके बाद रियो डि जेनेरियो में अपने खिताब का बचाव किया ट्रायथलॉन में दोहरे ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता और दो बार के विश्व चैंपियन ब्रिटेन के एलिस्टेयर ब्राउनली ने 36 साल की उम्र में संन्यास लेने की घोषणा की है। उन्होंने सोशल मीडिया पर कहा, अब इस अध्याय को यही समाप्त करने का समय आ गया है। ट्रायथलॉन ने मेरी जिंदगी बना दी। मैंने अपने बचपन को उन सपनों को पूरा जिनको देखने का मैंने कभी साहस किया था। जितनी कल्पना की थी, उससे कहीं ज्यादा पाया। लंदन 2012 में ब्राउनली ने 1500 मीटर की तैराकी, 40 मीटर की बाइक रेस, दस किमी की दौड़ जीती। उनके छोटे भाई जोनाथन ने कांस्य पदक जीता था। उसके बाद रियो डि जेनेरियो में अपने खिताब का बचाव किया। टखने की चोट से प्रभावित रहे ब्राउनली ने कहा कि अब ट्रेनिंग में उसके आसपास नहीं कर पाता जितना पहले मैं कभी कर चुका हूं। उन्होंने कहा कि मैं फिट और स्वस्थ रहकर खेल को अलविदा कहना चाहता हूं न कि चोटिल होकर।

किस टीम में जाओगे', बीच मैच में मेगा नीलामी पर चर्चा करते दिखे ऋषभ पंत और नाथन लायन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। शुक्रवार को पर्थ टेस्ट के पहले दिन नाथन लायन ने 27 वर्षीय बल्लेबाज से पूछा ठकिस टीम में शामिल होगे?ठ इस पर पंत ने जवाब दियापता नहीं।माना जा रहा है कि स्टार स्पिनर ने पंत से यह सवाल उनका ध्यान भटकाने के लिए किया आईपीएल 2025 की मेगा नीलामी इन दिनों चर्चा का विषय बनी हुई है। पूरी दुनिया की नजरें जेद्दाह में होने वाली मेगा नीलामी पर टिकी हैं। इसकी सुगबुगाहट भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया मैच में भी देखने को मिली, जब नाथन लायन और ऋषभ पंत को मेगा नीलामी की चर्चा करते देखा गया। इसका वीडियो भी अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।लायन ने पंत से पूछा चौंकाने वाला सवाल शुक्रवार को पर्थ टेस्ट के पहले दिन नाथन लायन ने 27 वर्षीय बल्लेबाज से पूछा ठकिस टीम में शामिल होगे? इस पर पंत ने जवाब दिया ठपता नहीं।ठ माना जा रहा है कि स्टार स्पिनर ने पंत से यह सवाल उनका ध्यान भटकाने के लिए किया। अब इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। बता दें कि, पंत ने पहली पारी में 37 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने तीन चौके और एक छक्का लगाया। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच जारी पहले टेस्ट के तीसरे और चौथे दिन मेगा नीलामी का आयोजन होगा। 574 खिलाड़ी इस साल नीलामी का हिस्सा हैं। इनमें से अधिकतम 204 खिलाड़ियों पर 10 टीमें बोली लगाएंगी। सभी की नजरें ऋषभ पंत पर होंगी। दरअसल, दिल्ली कैपिटल्स ने अपने कप्तान और स्टार विकेटकीपर बल्लेबाज को रिटेन नहीं किया है। वह इस बार मेगा नीलामी में उतरेंगे। यह देखने वाली बात होगी कि उन्हें कौन सी टीम कितनी रकम में खरीदेगी।दिल्ली कैपिटल्स ने आईपीएल 2025 के लिए चार खिलाड़ियों को रिटेन किया है। इनमें अक्षर पटेल (16.5 करोड़), कुलदीप यादव (13.25 करोड़), ट्रिस्टन स्टब्स (10 करोड़) और अभिषेक पोरेल (चार करोड़) शामिल हैं। अक्षर, कुलदीप और स्टब्स कैप्ड खिलाड़ी हैं, जबकि पोरेल अनकैप्ड हैं। दिल्ली के पास ऑक्शन में राइट टू मैच कार्ड से एक कैप्ड या अनकैप्ड खिलाड़ी को अपने साथ जोड़ने का मौका होगा।

जोकोविच से लेकर अल्कारेज तक, टेनिस दिग्गजों ने नडाल के संन्यास पर दी प्रतिक्रिया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। 22 बार के ग्रैंडस्लैम विजेता नडाल ने पिछले 23 वर्षों में एक शानदार और ऐतिहासिक करियर का आनंद लिया। नडाल के पेशेवर टेनिस से संन्यास लेने के बाद नोवाक जोकोविच और कार्लोस अल्कारेज से लेकर टेनिस के कई खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की। स्पेन के स्टार टेनिस खिलाड़ी राफेल नडाल ने टेनिस से संन्यास ले लिया है। 38 वर्षीय नडाल मंगलवार को डेविस कप के क्वार्टर फाइनल में पुरुष एकल के मुकाबले में नीदरलैंड के जेंडशुल्प से हार गए। 22 बार के ग्रैंड स्लैम विजेता नडाल ने पिछले 23 वर्षों में एक शानदार और ऐतिहासिक करियर का आनंद लिया। नडाल के पेशेवर टेनिस से संन्यास लेने के बाद नोवाक जोकोविच और कार्लोस अल्कारेज से लेकर टेनिस के कई खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की। 24 बार के ग्रैंडस्लैम चैंपियन और नडाल के कड़े प्रतिद्वंद्वी रहे सर्बिया के नोवाक जोकोविच ने कहा, आपकी दृढ़ता, आपका जुझारू जज्बा, आपकी ऊर्जा कुछ ऐसी चीजे हैं जिनका अध्ययन किया जाएगा। यह कुछ ऐसा है जो आने वाली कई पीढ़ियों को प्रेरित करेगा। मुझे आपका प्रतिद्वंद्वी कहलाने पर गर्व और रोमांच महसूस हो रहा है। टेनिस जगत और खेल जगत को आपकी अविश्वसनीय ऊर्जा की कमी खलेगी। जोकोविच से पहले फैब थ्री के एक और सदस्य रोजर फेडरर ने भी नडाल के संन्यास पर सोशल मीडिया पर एक भावुक संदेश पोस्ट किया था। वहीं, दो बार के ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता ब्रिटेन के एंडी मरे ने कहा, आप जिस जुनून से खेले हैं, वह कुछ ऐसा है जिसकी सभी टेनिस खिलाड़ी आकांक्षा रखते हैं और सभी टेनिस प्रशंसक आपको इसके लिए याद रखेंगे। आपको देखना अविश्वसनीय रहा है। चार बार के ग्रैंडस्लैम चैंपियन और नडाल के हमवतन कार्लोस अल्कारेज ने कहा, मैं बहुत भाग्यशाली हूं कि उनके साथ कोर्ट पर और बाहर के पलों का अनुभव किया। मैंने पहले भी कई बार कहा है कि मैं और भी कई पल साझा करना पसंद करता।

जल्द जारी हो सकता है चैंपियंस ट्रॉफी का कार्यक्रम; आईसीसी ने बुलाई बीसीसीआई-पीसीबी की आपात बैठक

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी पर चल रहे गतिरोध का समाधान ढूंढने के लिए बीसीसीआई और पीसीबी के साथ आपात बैठक कर सकता है। यह बैठक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए होगी, जिसमें दोनों बोर्ड के अलावा अन्य सदस्यों के शामिल होने की संभावना है अगले साल चैंपियंस ट्रॉफी का आयोजन होना है। हालांकि, अब तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने इस टूर्नामेंट के कार्यक्रम का एलान नहीं किया है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) पहले ही भारतीय टीम को पाकिस्तान की यात्रा पर भेजने से इनकार कर चुका है। वहीं, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) भी हाइब्रिड मॉडल के लिए इनकार कर चुका है। इस गतिरोध के बीच खबर आई है कि आईसीसी मंगलवार को दोनों बोर्ड के साथ आपात बैठक कर सकता है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी पर चल रहे गतिरोध का समाधान ढूंढने के लिए बीसीसीआई और पीसीबी के साथ आपात बैठक कर सकता है। यह बैठक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए होगी, जिसमें दोनों बोर्ड के अलावा अन्य सदस्यों के शामिल होने की संभावना है। इस बैठक में चैंपियंस ट्रॉफी के कार्यक्रम पर चर्चा हो सकती है। खबर है कि इस बैठक के बाद तय होगा कि टूर्नामेंट हाइब्रिड मॉडल पर खेला जाएगा या नहीं। इससे पहले पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने गुरुवार को सुमैर अहमद सैयद को चैंपियंस ट्रॉफी का मुख्य संचालन अधिकारी नियुक्त किया। हालांकि, अगले साल के शुरू में टूर्नामेंट के आयोजन को लेकर अनिश्चितता बरकरार है। पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने बोर्ड के इस रुख को दोहराया कि वह टूर्नामेंट की मेजबानी पूरी तरह पाकिस्तान में करना चाहता है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने इससे पहले अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) को सूचित किया था कि वह भारतीय टीम को 50 ओवर की प्रतियोगिता के लिए पाकिस्तान नहीं भेजना चाहता है। इस बीच नकवी ने सैयद की क्षमताओं पर भरोसा जताते हुए उन्हें एक संगठित पेशेवर बताया। नकवी ने कहा, 'सुमैर प्रशासनिक विशेषज्ञता के धन के साथ एक असाधारण रूप से संगठित पेशेवर हैं। क्रिकेट के लिए उनके अटूट जुनून है। मुझे विश्वास है कि वह खिलाड़ियों, अधिकारियों और प्रशंसकों के लिए एक अविस्मरणीय आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 प्रदान करेंगे।

दोहरा शतक जड़ने के बावजूद पिता का दिल नहीं जीत पाए आर्यवीर सहवाग, अब नहीं मिलेगा खास तोहफा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। आर्यवीर इस वक्त कूच बिहार ट्रॉफी में दिल्ली के लिए खेल रहे हैं। मेघालय के खिलाफ खेले जा रहे इस मैच में उन्होंने 51 चौकों और तीन छक्कों की मदद से 297 रन बनाए। वह तीन रन से अपना पहला तिहरा शतक पूरा करने से चूक गए। भारतीय टीम के पूर्व बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग के बेटे आर्यवीर अब पिता की राह पर चल पड़े हैं। शुक्रवार को उन्होंने मेघालय के खिलाफ 297 रनों की दमदार पारी खेलकर सुर्खियां बटोरीं। उनकी इस पारी को उनके पिता ने भी सराहा। सहवाग ने ट्वीट कर बेटे की तारीफ की। उन्होंने कहा, ठबहुत अच्छा प्रदर्शन किया आर्यवीर! हालांकि, तुम 23 रन से फरारी से चूक गए 297 रनों की दमदार पारी खेलने के बावजूद आर्यवीर को उनका पसंदीदा तोहफा नहीं मिलेगा। दरअसल, सहवाग ने 2015 में अपने बेटे से वादा किया था कि अगर वह उनके 319 रनों के रिकॉर्ड को तोड़ने में कामयाब होंगे तो वह उन्हें फरारी कार तोहफे में देंगे। अब उन्होंने आर्यवीर को इसकी याद दिलाते हुए कहा- ठआर्यवीर सहवाग ने बहुत बढ़िया खेला। 23 रन से फेरारी से चूक गए। लेकिन बहुत बढ़िया, जोश बनाए रखो और उम्मीद है कि तुम और भी कई शतक और दोहरे और तिहरे शतक बनाओगे। खेल जाओ पूर्व भारतीय बल्लेबाज ने 2004 में मुल्तान टेस्ट में पाकिस्तान के खिलाफ 309 रनों की दमदार खेलकर बड़ा रिकॉर्ड बनाया था। वह इस प्रारूप में तिहरा शतक जड़ने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज बने थे। इसके चार साल बाद उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ चेन्नई में 319 रन बनाए और अपने रिकॉर्ड को बेहतर किया। अब उन्हें अपने बेटे से इस तरह के प्रदर्शन की अपेक्षा है।

डिंग लिरेन के खिलाफ मैच से पहले एरिगेसी ने दी गुकेश को सलाह, बोले- खुद को दावेदार मत मानो

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। सिंगापुर में 25 नवंबर से होने वाली विश्व चैंपियनशिप से पहले लिरेन प्रभावी प्रदर्शन करने में नाकाम रहे हैं जिससे गुकेश को खिताब का प्रबल दावेदार माना जा रहा है। भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश चीन के डिंग लिरेन के खिलाफ विश्व चैंपियनशिप के मुकाबले की तैयारियां कर रहे हैं। इस मैच से पहले हमवतन अर्जुन एरिगेसी ने उन्हें महत्वपूर्ण सलाह दी है। एरिगेस का मानना है कि गुकेश को सिर्फ अपनी तैयारियों पर ध्यान देना चाहिए और खिताबी मैच में उतरते हुए खुद को प्रबल दावेदार नहीं समझना चाहिए। सिंगापुर में 25 नवंबर से होने वाली विश्व चैंपियनशिप से पहले लिरेन प्रभावी प्रदर्शन करने में नाकाम रहे हैं जिससे गुकेश को खिताब का प्रबल दावेदार माना जा रहा है।इस साल सितंबर में 2799 की सर्वश्रेष्ठ रेटिंग के साथ इतिहास में 15वें सर्वाधिक रेटिंग अंक हासिल करने वाले खिलाड़ी एरिगेसी ने कहा, अगर मैं गुकेश की जगह होता तो मैं यह नहीं सोचता कि मैं प्रबल दावेदार हूं। मैं सिर्फ अपनी तैयारियों पर ध्यान देता। और मुझे यकीन है कि गुकेश भी ऐसा करेगा। मुझे लगता है कि यह स्पष्ट है कि गुकेश प्रबल दावेदार हैं। दोनों के अपने मजबूत और कमजोर पक्ष हैं, लेकिन गुकेश प्रबल दावेदार है। इसका डिंग की फॉर्म से अधिक लेना देना है क्योंकि चीन का खिलाड़ी अच्छी लय में नहीं है।एरिगेसी का मानना है कि अगर लिरेन अपनी क्षमता के अनुरूप खेलते हैं तो यह कड़ा मुकाबला होगा। उन्होंने कहा, अगर लिरेन अपने सर्वश्रेष्ठ के आसपास का भी प्रदर्शन करता है तो यह बेहद रोमांचक मुकाबला होगा। एक शतरंज प्रशंसक के रूप में मैं उम्मीद करता हूं कि ऐसा हो। मैं ही नहीं बल्कि कोई भी शतरंज प्रशंसक उम्मीद करेगा कि डिंग अच्छा प्रदर्शन करे और अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर पाए जिससे कि यह रोमांचक मुकाबला हो। लेकिन भारतीय होने के नाते मैं गुकेश का समर्थन करता हूं। एरिगेसी का मानना है कि पांच बार के विश्व चैंपियन मैग्नस कार्लसन को उनकी प्रतिभा शतरंज जगत में सभी से आगे रखती है। उन्होंने साथ ही कहा कि नॉर्वे का यह खिलाड़ी अपने विरोधियों को नर्वस कर देता है।

पर्थ टेस्ट में लगी रिकॉर्ड्स की झड़ी, बुमराह स्मिथ को गोल्डन डक पर आउट करने वाले दूसरे बॉलर

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। बुमराह ने एक खास रिकॉर्ड भी बना दिया। वह टेस्ट में स्मिथ को गोल्डन डक का शिकार बनाने वाले सिर्फ दूसरे गेंदबाज बने। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला पर्थ में जारी है। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम 150 रन पर सिमट गई थी। ऐसा लग रहा था कि न्यूजीलैंड के खिलाफ क्लीन स्वीप के बाद टीम इंडिया यहां भी धराशाई हो जाएगी। हालांकि, भारतीय तेज गेंदबाजों ने कप्तान जसप्रीत बुमराह की अगुआई में गजब प्रदर्शन करते हुए ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी में 67 रन पर सात विकेट गंवा दिए हैं। बुमराह ने अब तक चार विकेट लिए हैं। इनमें उस्मान ख्वाजा, नाथन मैकस्वीनी, स्टीव स्मिथ और पैट कमिंस के विकेट शामिल हैं। स्मिथ तो गोल्डन डक का शिकार हुए। वह पहली ही गेंद पर बुमराह के शिकार बने। वह एल्बीडब्ल्यू आउट हुए। इसी के साथ बुमराह ने एक खास रिकॉर्ड भी बना दिया। वह टेस्ट में स्मिथ को गोल्डन डक का शिकार बनाने वाले सिर्फ दूसरे गेंदबाज बने। इससे पहले 2014 में डेल स्टेन ने पोर्ट एलिजाबेथ में ऐसा किया था। अब 10 साल बाद पर्थ में बुमराह ने ऐसा किया। मैच के दौरान पहले दिन ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों को शुरुआती 10 ओवर में जहां 0.72 डिग्री की सीम मूवमेंट मिली थी, जबकि भारतीय गेंदबाजों को शुरुआती 10 ओवर में 0.91 डिग्री सीम मूवमेंट मिलीऑस्ट्रेलियाई टीम की 40.3 प्रतिशत की तुलना में भारत की 56.4 प्रतिशत गेंदें 0.75 डिग्री से अधिक स्विंग या सीम हुईं। खेल के केवल 94 दिन ऐसे रहे हैं जब सीमरों के लिए गेंद औसतन 0.793 डिग्री से अधिक सीम की। इनमें से केवल एक दिन में भारत और ऑस्ट्रेलिया दोनों का संयुक्त बल्लेबाजी औसत 10.64 से कम था। 2022 में ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के बीच ब्रिस्बेन टेस्ट के दूसरे दिन, जिसमें 0.810 डिग्री का औसत सीम देखा गया था और बल्लेबाजों का औसत 9.16 रहा था।लाबुशेन ने 52 गेंद में सिर्फ दो रन बनाए। 50 गेंदों का सामना करने के बाद लाबुशेन द्वारा बनाए गए दो रन सबसे कम रन हैं। पिछला सबसे कम रन 2023 में ओवल में इंग्लैंड के खिलाफ पांच रन थे। 1980 के बाद से केवल दूसरी बार ऑस्ट्रेलिया ने घरेलू टेस्ट की किसी पारी में स्कोर 40 तक पहुंचने से पहले अपने पहले पांच विकेट खोए हैं। इससे पहले 2016 में होबार्ट में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उन्होंने 17 रन बनाने में पांच विकेट गंवाए थे।

लाबुशेन की इस हरकत पर फूटा सिराज का गुस्सा, बीच मैच में हुई तीखी बहस, कोहली ने भी दिया साथ

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के लिए लाबुशेन कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाए। उन्होंने 52 गेंदों का सामना किया और सिर्फ दो रन बनाए। दिलचस्प बात यह है कि 21वें ओवर की आखिरी गेंद पर सिराज ने ही उनका विकेट चटकाया। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच जारी पर्थ टेस्ट का पहला दिन रोमांच से भरपूर रहा। एक तरफ भारतीय टीम 50 ओवर भी नहीं टिक सकी तो दूसरी तरफ ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों पर भारतीय गेंदबाज हावी दिखे। इस मैच में मोहम्मद सिराज और मार्नस लाबुशेन के बीच तीखी बहस भी हो गई, जिसमें किंग कोहली भी भारतीय गेंदबाज का साथ देते दिखे। दरअसल, यह घटना ऑस्ट्रेलिया की पारी के 13वें ओवर की है। सिराज की गेंद पर लाबुशेन ने बड़ा शॉट खेलने की कोशिश की, लेकिन वह चूक गए। गेंद उनके बल्ले से लगकर स्टंप की तरफ बढ़ ही रही थी कि तभी लाबुशेन ने उसे अपने बल्ले से रोक दिया। सिराज को उनकी यह हरकत पसंद नहीं आई और उनका गुस्सा फूट पड़ा। वह उन्हें आंख दिखाते दिखे। मैदान पर सिराज और लाबुशेन के बीच बहस होती देखकर कोहली भी पहुंच गए और नाराजगी जताते दिखे। उन्होंने गिल्लियां उड़ा दीं। ऑस्ट्रेलिया के लिए लाबुशेन कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाए। उन्होंने 52 गेंदों का सामना किया और सिर्फ दो रन बनाए। दिलचस्प बात यह है कि 21वें ओवर की आखिरी गेंद पर सिराज ने ही उनका विकेट चटकाया। उन्होंने दाएं हाथ के इस बल्लेबाज को एलबीडब्ल्यू किया। इससे पहले तेज गेंदबाज ने मिचेल मार्श (6) को केएल राहुल के हाथों कैच कराया। इस तरह वह पहले दिन का खेल खत्म होने तक दो विकेट लेने में कामयाब रहे। पर्थ टेस्ट के पहले दिन भारतीय गेंदबाज ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों पर हावी दिखे। ऑस्ट्रेलिया ने अपनी पहली पारी में सात विकेट गंवाकर 67 रन बना लिए हैं। भारत ने अपनी पहली पारी में 150 रन बनाए थे। इस लिहाज से ऑस्ट्रेलिया अब भी 83 रन पीछे है। भारतीय बल्लेबाजी के फ्लॉप रहने के बाद और 150 रन पर ऑलआउट होने के बाद ऐसा लग रहा था कि ऑस्ट्रेलिया हावी है, लेकिन ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी और भी खराब रही। अभी तक कोई भी कंगारू बल्लेबाज 20 के आंकड़े से ऊपर नहीं जा सका है। भारत की ओर से जसप्रीत बुमराह ने अब तक चार विकेट लिए हैं।

संक्षिप्त समाचार

182 साल बाद बदला अंग्रेजों का दिया नाम...अब अटल उद्यान बना मसूरी का कंपनी गार्डन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नोएडा । अंग्रेजों के शासनकाल में डॉ. एच फाकनर ने 1842 में कंपनी गार्डन की स्थापना की थी। इसे पहले म्युनिसिपल गार्डन कहा जाता था। इसके बाद कंपनी गार्डन नाम दिया गया। जिसे अब बदला गया है। पहाड़ों की रानी मसूरी का प्रसिद्ध पर्यटन स्थल कंपनी

गार्डन अब अटल उद्यान के नाम से जाना जाएगा। बृहस्पतिवार को कृषि मंत्री गणेश जोशी और शहरी विकास मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल ने नए नाम का उद्घाटन किया। अंग्रेजों का दिए नाम कंपनी गार्डन को 182 साल बाद बदल दिया गया है। अटल उद्यान में आयोजित कार्यक्रम में कृषि मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि यह बड़े गौरव का पल है। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने अलग उत्तराखंड राज्य का निर्माण किया था और उनको मसूरी से विशेष लगाव भी रहा। उन्होंने कहा कि गुलामी के प्रतीक कंपनी गार्डन को अब अटल उद्यान के नाम से जाना जाएगा। कहा कि शीघ्र ही यहां अटल बिहारी वाजपेयी की विशाल प्रतिमा लगाई जाएगी। कहा कि केदारनाथ चुनाव में भाजपा की जीत तय है। कहा कि एमपीजी कॉलेज और टाउन हॉल के नाम बदलने की कार्रवाई भी शीघ्र की जाएगी।

सिंहस्थ 2028 की तैयारियां, जानिए सुरक्षा के लिए किन नई तकनीकों का उपयोग करेगा पुलिस विभाग

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। बैठक में आधुनिक तकनीक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के व्यापक उपयोग पर जोर दिया गया। पुलिस अधीक्षक उज्जैन ने विभिन्न विभागों को निर्देश दिए कि वे नई और उन्नत तकनीकों को अपनाकर सिंहस्थ मेले को प्रबंधित करने की योजना तैयार करें। उज्जैन सिंहस्थ 2028 की तैयारियों को और प्रभावी और सुरक्षित बनाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक उज्जैन द्वारा सभी विभागों के साथ पुलिस कंट्रोल रूम में विशेष बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रमुख मुद्दों पर बारी-बारी से चर्चा कर उनकी उपयोगिता पर जोर दिया गया। इस दौरान तय किया गया कि सिंहस्थ क्षेत्र में निगरानी को और सुदृढ़ बनाने के लिए ड्रोन कैमरों का उपयोग सुनिश्चित किया जाएगा।

सपा नोएडा महानगर संगठन द्वारा श्रद्धेय मुलायम सिंह यादव जी के जयंती के अवसर पर रक्तदान शिविर व भंडारे का आयोजन किया गया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नोएडा । सपा नोएडा महानगर संगठन द्वारा समाजवादी पार्टी के संस्थापक श्रद्धेय मुलायम सिंह यादव की जयंती

के अवसर पर सेक्टर 31 स्थित रोटरी क्लब मैं रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया सपा नोएडा महानगर के अध्यक्ष डॉक्टर आश्रय गुप्ता के साथ-साथ लगभग 20 लोगों ने रक्तदान किया। उसके बाद सेक्टर 31 जिला अस्पताल के निकट सपा नोएडा महानगर संगठन द्वारा एक विशाल भंडारे का भी आयोजन किया गया। महानगर अध्यक्ष डॉ आश्रय गुप्ता ने कहा कि मुलायम सिंह यादव ने 4 नवंबर 1992 को लखनऊ में समाजवादी पार्टी की स्थापना की थी उन्होंने समाजवाद, लोकतंत्र तथा धर्मनिरपेक्षता के पक्ष में लगातार संघर्ष किया । प्रदेश सचिव सुनील चौधरी व जय करण चौधरी ने कहा कि श्रद्धेय मुलायम सिंह यादव हमेशा गरीबों ,मजलूमों किसानों व मजदूरों की सहायता करते थे और रक्त एक ऐसा दान है इससे गरीबों को मदद मिलती है। पूर्व अध्यक्ष रेशपाल अवाना ने कहा कि हमें श्रद्धेय मुलायम सिंह यादव जी के बताए हुए रास्ते पर चलकर समाजवादी पार्टी को मजबूत करने का काम करना है। कार्यक्रम का संचालन महासचिव विकास यादव व मीडिया प्रभारी गौरव कुमार यादव के द्वारा किया गया।कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य लोगों में भरत प्रधान,संजय त्यागी, मोहम्मद नौशाद, बबलू चौहान, वीरपाल प्रधान,राम सहेली , शालिनी खारी, बबली शर्मा, नेहा पांडे ,रामवीर यादव, टीटू यादव, बाबा जयवीर, मुकेश यादव, योगेश भाटी, गौरव चाचरा,सुमित अंबावत ,अमित बसोया , कवित गुर्जर, रविंद्र यादव ,राणा मुखर्जी , सौरभ चौहान, उदय सिंह, राजेश अवावत, लोकेश यादव, उदयवीर प्रधान,वीर बहादुर, अनुराग यादव, बिल्लू सैफी ,सतवीर यादव, अरविंद चौहान, नकुल चौहान, आदेश भाटी ,रोहित यादव, मनोज प्रजापति,मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

GEM OF आधुनिक भारत

नामः- सचिन सिंह राजकुमार
संस्थापकः- स्वदेश सेवा संस्थान
आप मूलतः जौनपुर के रहने वाले हैं।आपकी शिक्षा राजनीति विज्ञान से परास्नातक तक इलाहाबाद विश्वविद्यालय से हुई हैं। आप 2018 में छात्र संघ सांस्कृतिक मंत्री रहे हैं।आपको 2022 में राष्ट्रीय धरोहर सम्मान से सम्मानित किया गया हैं। स्वदेश सेवा संस्थान के माध्यम से प्रयागराज,लखनऊ, जौनपुर, महोबा , वाराणसी समेत कई जिलों के सेवा वस्तियों के बच्चों को निःशुल्क शिक्षा देने का कार्य कर रहे हैं।

नाम :- नौशीन बानो
संपर्क नंबर:- 7084641621
Email- naushn481@gmail.com
योग्यता:- एम.ए., डी.एल.एड, एम.एस.सी.
शहरः-प्रयागराज राज्यः- उ.प्र.
वर्तमान में (आउटरीच एंड ड्रॉप इन सेंटर - एनआईएसडी, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय) के तहत एक परियोजना प्रबंधक सह परामर्शदाता (सामाजिक कार्यकर्ता) के रूप में कार्यरत हैं। एजेंसी का नामः- सोसायटी फार प्रीवेंशन आफ एल्कोहलिज़्म एण्ड सब्सटेंस ड्रग्स एब्यूज (स्पासदा) मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं और नशीली दवाओं की लत आदि से पीड़ित व्यक्ति के साथ व्यक्तिगत परामर्श, पारिवारिक परामर्श और समूह परामर्श संदर्भः- इरका, सरकारी अस्पताल, आदि ।

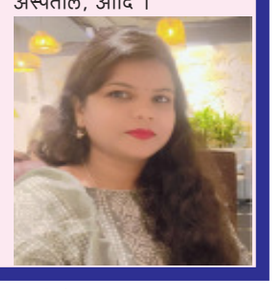

सांसों पर संकट जहरीली हवा से दिल्ली में हाहाकार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। दिल्ली के आनंद विहार, मुंडका, बवाना समेत कई इलाकों में एक्यूआई 400 के पार दर्ज किया गया है। देश की राजधानी दिल्ली में प्रदूषण के चलते हालात गंभीर बने हुए हैं। आज दिल्ली के कई हिस्सों में एक्यूआई 400 के पार दर्ज किया गया है। गुरुवार को राजधानी में मौसमी दशाओं के बदलने से वायु गुणवत्ता बेहद खराब श्रेणी में पहुंच गई। गुरुवार को आठ दिन बाद हवा एक बार फिर बेहद खराब श्रेणी में दर्ज की गई। हालांकि, कई इलाकों में वायु गुणवत्ता गंभीर श्रेणी में रही। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के डेटा के अनुसार, आज सुबह आठ बजे आनंद विहार में एक्यूआई 411, मुंडका में 402, बवाना में 411, अशोक विहार 396, आईटीओ 348, जहांगीरपुरी 428, रोहिणी 398, नजफगढ़ 354, आरकेपुरम 374, पंजाबी बाग 393, सोनिया विहार 401, द्वारका सेक्टर 8 में 382 दर्ज किया गया है।केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के मुताबिक, रविवार तक कमोबेश यही स्थिति रहने की आशंका है। ऐसे में एक्यूआई 300 के पार ही बना रहेगा। डिसिजन स्पोर्ट सिस्टम (डीएसएस) के मुताबिक हवा में परिवहन से होने वाले प्रदूषण की हिस्सेदारी 17.757 फीसदी, कूड़ा जलने से 1.621 फीसदी व पराली के धुएं की हिस्सेदारी 17.372 फीसदी रही।

विश्व शिल्प मंच की शुरुआत हुई, नेशनल क्राफ्ट म्यूजियम में

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नोएडा । विश्व शिल्प मंच 2024 का उद्घाटन दिवस एक शानदार सफलता थी, जिसने तीन दिनों तक व्यावहारिक चर्चाओं, जीवंत सांस्कृतिक प्रदर्शनों और वैश्विक शिल्प समुदाय के भीतर शक्तिशाली नेटवर्किंग के लिए मंच तैयार किया। यहें ण्र्ण् घ्ँथ् की 60वीं वर्षगांठ थी, और यह कार्यक्रम नई दिल्ली में राष्ट्रीय शिल्प संग्रहालय और हस्तकला अकादमी में हुआ, जिसमें शिल्प क्षेत्र में सहयोग, स्थिरता और नवाचार के शक्तिशाली संदेश के साथ समारोह की शुरुआत हुई। दिन की कार्यवाही शिल्प और स्थिरता के मूल्य पर बहुप्रतीक्षित गोलमेज सम्मेलन के साथ शुरू हुई, जहाँ पैनलिस्ट और प्रतिभागियों ने शिल्प क्षेत्र में स्थिरता के बढ़ते महत्व पर गहन चर्चा की। चर्चाओं में पता लगाया गया कि शिल्प किस तरह से सतत आर्थिक विकास और सांस्कृतिक संरक्षण में योगदान करते हैं, जबकि शिल्प समुदायों और समाजों में जो अमूर्त मूल्य लाते हैं, उन्हें उजागर करते हैं। दिन का मुख्य कार्यक्रम उद्घाटन समारोह था, जिसने विश्व शिल्प मंच 2024 को आधिकारिक रूप से चिह्नित किया। इस समारोह ने वैश्विक शिल्प आंदोलन को संप्रेषित करने और लोकप्रिय बनाने में इस विश्व परिषद के नेतृत्व के छह दशकों को चिह्नित किया। मुख्य अतिथि श्री पाबित्रा मार्गेरिटा, कपड़ा मंत्रालय और विदेश मंत्रालय, भारत सरकार के राज्य मंत्री, ने इस बात की वाक्पटुता से वकालत की कि कैसे शिल्प का अस्तित्व देश की संस्कृति के साथ-साथ देश की अर्थव्यवस्था में एक अभिन्न भूमिका निभाता है शिल्प केवल उत्पाद नहीं हैं; वे मानवीय सरलता, परंपरा और पहचान की जीवंत कहानियाँ हैं। जैसा कि हम विश्व शिल्प परिषद की 60वीं वर्षगांठ मनाते हैं, आइए हम उन कारीगरों का सम्मान करें जो अपने बेजोड़ कौशल और जुनून के साथ अतीत और भविष्य को जोड़ते हैं। भारत, शिल्प कौशल की अपनी समृद्ध विरासत के साथ,

रचनात्मकता, स्थिरता और नवाचार के एक प्रकाशस्तंभ के रूप में गर्व से खड़ा है, जो दुनिया को एक उज्ज्वल, अधिक जुड़े हुए भविष्य की ओर ले जा रहा है।ठ उन्होंने अपने भाषण में कहा। भारत सरकार के वस्त्र मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव, रोहित कंसल, आईएएस ने निष्कर्ष निकाला, ठविश्व शिल्प मंच शिल्प को किस तरह से देखा जाता है, इसमें एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित होगा, जिससे कारीगरों के लिए नए अवसर पैदा होंगे और एक लचीला शिल्प पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण होगा।ठ श्रीमती अमृत राज, हस्तशिल्प विकास आयुक्त, वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार ने टिप्पणी की, ठयह कार्यक्रम वैश्विक सहयोग को बढ़ावा देते हुए अपने विविध शिल्पों को संरक्षित करने और बढ़ावा देने के लिए भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।ठ सम्मानित अतिथियों ने भी अपने विचार साझा किए, जिसमें डब्ल्यूसीसी एआईएसबीएल के अध्यक्ष श्री साद अल-कद्दूमी ने कहा कि वैश्विक सहयोग आने वाली पीढ़ियों के लिए शिल्प कला को बहाल कर सकता है। श्री अल-कद्दूमी ने कहा, ठविश्व शिल्प परिषद का निरंतर प्रयास दुनिया भर में शिल्प आंदोलन को फिर से सक्रिय करना है और भारत में डब्ल्यूसीसी के 60 साल पूरे होने का जश्न विकास आयुक्त हस्तशिल्प के साथ मिलकर दुनिया भर में डब्ल्यूसीसी के प्रमुख कार्यक्रमों के लिए एक बड़ी छलांग लगाने का मंच तैयार करता है यूनेस्को दक्षिण एशिया के निदेशक श्री टिम कर्टिस सतत विकास में अमूर्त सांस्कृतिक विरासत के महत्व पर बोल रहे थे।यूनेस्को का दृढ़ विश्वास है कि पारंपरिक शिल्प को संरक्षित करना न केवल सांस्कृतिक पहचान के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि सतत अर्थव्यवस्थाओं के भविष्य के लिए भी महत्वपूर्ण है। विश्व शिल्प मंच इन अंतर्संबंधों का पता लगाने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच है, श्री कर्टिस ने कहा विषय शिल्प दुनिया को जोड़ता है, जो एक पुनरुत्थानशील रचनात्मक अर्थव्यवस्था के लिए शिल्प का लाभ उठाने और ग्रह और उसके लोगों के लिए एक सतत भविष्य को आकार देने के बारे में है।ठ डॉ. डार्ली कोशी, रणनीतिक सलाहका स्टीयरिंग ग्रुप के सदस्य और क्राफ्ट विलेज के संस्थापक सोमेश सिंह ने कहा, ठदिल्ली में पिछले अंतर्राष्ट्रीय शिल्प सप्ताहों की सफलता के साथ, अमृत काल के दौरान देश की अभूतपूर्व प्रगति के साथ शिल्प को सबसे आगे लाने और भारत सरकार की अन्य पहलों के साथ मुख्यधारा में लाने और भारतीय शिल्प कोंर्प्र घ्ँथ् द्वारा उत्प्रेरित वैश्विक शिल्प पारिस्थितिकी तंत्र के केंद्र में रखने के लिए मंच तैयार है। आधिकारिक उद्घाटन के बाद, क्राफ्ट फंड पर पैनल चर्चाः क्राफ्ट इनक्यूबेशन और उद्यमिता की स्थापना हुई, जिसमें शिल्प कार्य के क्षेत्र में स्टार्ट-अप समर्थन संरचनाओं की तत्काल आवश्यकता पर चर्चा की गई। पैनलिस्टों ने यह सुनिश्चित करने में नवाचार और उद्यमिता की भूमिका पर जोर दिया कि पारंपरिक शिल्प न केवल जीवित रहें बल्कि आधुनिक अर्थव्यवस्था में पनपें। दिन का समापन एक सांस्कृतिक संध्या के साथ होगा, जिसमें समृद्ध पारंपरिक प्रदर्शन प्रदर्शित किए जाएंगे। और सर्वश्रेष्ठ भारतीय शिल्प की ईपीसीएच गैलरी का उद्घाटन। दिन की गतिविधियों के एक हिस्से के रूप में, फोरम में विशेष फिल्म स्क्रीनिंग शामिल थीः आद्यम हैंडवॉवन फिल्में बनारस, भदोई, पोचमपल्ली और अन्य की समृद्ध शिल्प परंपराओं को उजागर करती हैं। वे भारत की कुछ सबसे प्रसिद्ध बुनाई के पीछे शिल्प कौशल, तकनीकों और कहानियों के बारे में गहन जानकारी प्रदान करते हैं।

एनजीटी ने जल बोर्ड और नगर निगम पर लगाया 50 करोड़ का जुर्माना, कहा पर्यावरण नियमों का किया उल्लंघन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। अदालत ने पाया कि डीजेबी यमुना नदी में मिलने वाले बरसाती पानी के नालों में सीवेज के बहाव को रोकने में विफल रहा है। जहां यमुना नदी में जाने वाले नालों में सीवेज के बहाव को रोकने में डीजेबी की ओर से विफलता को पहली बार देखा गया हो। पूर्व आदेशों से स्पष्ट है कि बार-बार निर्देश जारी किए गए। निर्वहन में विफल रहा है।अधिकरण ने एमसीडी और डीजेबी दोनों को केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) को दो महीने के भीतर लगभग 25.22 करोड़ रुपये का

राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने बृहस्पतिवार को पर्यावरण नियमों का उल्लंघन करने पर दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) और दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) पर 50 करोड़ रुपये से अधिक का जुर्माना लगाया। अदालत ने पाया कि डीजेबी यमुना नदी में मिलने वाले बरसाती पानी के नालों में सीवेज के बहाव को रोकने में विफल रहा है। कहा कि एमसीडी ने दक्षिण दिल्ली में बरसाती पानी के नाले की स्थितियों और कार्यात्मक प्रभावकारिता को बदलने के लिए अपने अधिकार क्षेत्र से परे काम किया है। एनजीटी अध्यक्ष न्यायमूर्ति प्रकाश श्रीवास्तव की पीठ ने कहा कि यह ऐसा मामला नहीं है समय दिया गया, लेकिन सभी प्रयास विफल रहे। पीठ में न्यायिक सदस्य न्यायमूर्ति अरूण कुमार त्यागी और न्यायमूर्ति सुधीर अग्रवाल व विशेषज्ञ सदस्य अफरोज अहमद भी शामिल थे। आदेश में कहा गया है कि आदर्श रूप से तूफानी पानी को उसके डिजाइन किए गए प्राकृतिक जल निकासी प्रणाली के माध्यम से और सीवेज को सीवरेज नेटवर्क के माध्यम से प्रवाहित करना चाहिए। नदी में फेंकने से पहले एसटीपी में उपचारित किया जाना चाहिए। अदालत ने कहा कि वर्षा जल नालियों में कच्चे सीवेज के कारण गंभीर जल प्रदूषण होता है। डीजेबी अपने वैधानिक कार्य के पर्यावरणीय मुआवजा देने का निर्देश दिया। अदालत ने कहा कि डीजेबी और एमसीडी से वसूल की गई पर्यावरण क्षतिपूर्ति की राशि का उपयोग सीपीसीबी द्वारा दिल्ली में हुई पर्यावरणीय क्षति के उपचार और बहाली के लिए किया जाएगा। एनजीटी ने कहा कि यह योजना एक संयुक्त समिति द्वारा तैयार की जानी है। इसमें सीपीसीबी और दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) के सदस्य सचिव, केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय का एक प्रतिनिधि और प्रधान मुख्य वन संरक्षक शामिल होंगे।

ड्राइवर के करीब पुलिस, जल्द हो सकती है गिरफ्तारी घायल सिद्धेश की हालत में भी सुधार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
देहरादून । देहरादून ओएनजीसी चौक पर हुए कार हादसे में छह दोस्तों की जान चली गई थी। हादसे में एक युवक की जान बच गई थी, जिसकी हालत में अब सुधार है। देहरादून ओएनजीसी चौक पर ट्रक और इनोवा की टक्कर से छह युवाओं की दर्दनाक मौत के मामले में आरोपी कंटनेर ड्राइवर को पुलिस जल्द गिरफ्तार कर सकती है। उसकी पहचान मेरठ के अभिषेक चौधरी के तौर पर हुई है। इस बीच हादसे में घायल सिद्धेश की हालत में पहले से सुधार हुआ है, हालांकि वह बोलने में असमर्थ है, लेकिन डॉक्टरों का कहना है कि उसकी हालत लगभग खतरे से बाहर है। विवेचना में पता

चला है कि कंटेनर (एचआर 55जे 4348) गुड़गांव के पटेल नगर में यूआरसी लॉजेस्टिक प्राइवेट लिमिटेड कंपनी द्वारा आपसी एग्रीमेंट के आधार पर सहारनपुर निवासी नरेश गौतम को बेचा गया था, जिसे पंजीकृत नहीं करवाया था। नरेश ने एक ड्रिल मशीन कंटेनर के जरिए देहरादून भेजी थी। उस रात कंटेनर पर मेरठ निवासी अभिषेक चौधरी बतौर ड्राइवर सवार था, हालांकि उसके साथ एक अन्य शख्स भी सवार बताया जा रहा है। पुलिस अभिषेक को जल्द गिरफ्त में लेने की बात कह रही है, जिससे पता चल सकेगा कि उसके साथ दूसरा शख्स कौन सवार था। हादसा किस तरह से हुआ, उनके पास कंटनेर के चालन से संबंधित सभी दस्तावेज थे या नहीं, आदि सवालों पर पूछताछ होनी है।

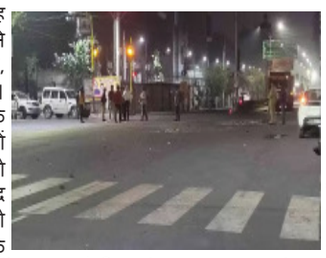

सुप्रीम कोर्ट की रोड सेफ्टी मॉनिटरिंग कमेटी ने लिया हादसे का संज्ञान, शासन से किए सवाल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
देहरादून । बीते दिनों देहरादून ओएनजीसी चौक पर हुए हादसे में छह दोस्तों की जान चली गई थी।सुप्रीम कोर्ट की रोड सेफ्टी करने के निर्देश दिए हैं। आरटीओ प्रवर्तन शैलेश तिवारी ने बताया कि घटना की जांच की जा रही है। घटना के पीछे के कारणों की पड़ताल करने के साथ

मानीटरिंग कमेटी ने मामले का संज्ञान लेते हुए शासन से कुछ सवाल किए हैं।ओएनजीसी चौक पर हुए हादसे का संज्ञान सुप्रीम कोर्ट की रोड सेफ्टी मानीटरिंग कमेटी ने लिया है। कमेटी ने शासन से इस पर जवाब मांगा है। पूछा गया है कि आखिर हादसे के बाद शासन के स्तर से क्या कदम उठाए गए। इस हादसे के पीछे क्या वजह रही। ऐसे तमाम बिंदुओं पर कमेटी ने शासन से रिपोर्ट मांगी है। शासन ने परिवहन विभाग को बिंदुवार रिपोर्ट तैयार ही सुझावों को भी रिपोर्ट में शामिल किया जा रहा है। ताकि, शहर में ऐसे हादसों से बचा जा सके।उन्होंने कहा कि 15 दिसंबर तक रिपोर्ट भेजनी है। उधर, घटना की जांच हरियाणा का जेपी इंस्टीट्यूट भी कर रहा है। वह बेहद वैज्ञानिक तरीके से जांच कर रिपोर्ट तैयार कर रहा है।विशेषज्ञ रिपोर्ट के सामने आने के बाद घटना के कारणों का पता लगाया जा सकेगा। गत बुधवार को टीम मौके पर पहुंची और क्षतिग्रस्त वाहन की जांच की।

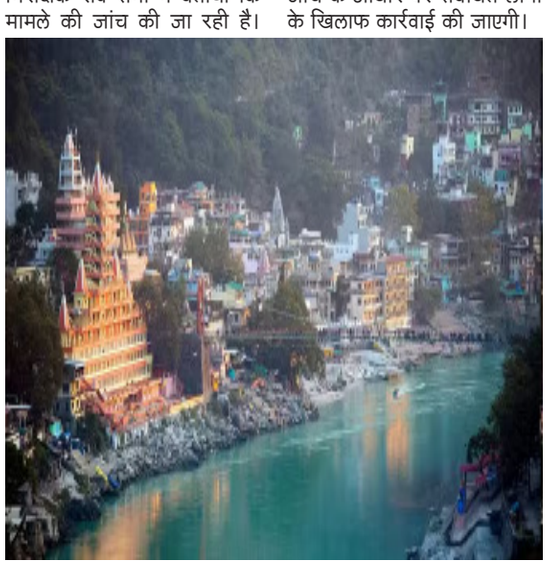

आंखें खराब कर रहा है प्रदूषण, मोतियाबिंद से अंधेपन तक का खतरा, नेत्र विशेषज्ञ चिंतित

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। प्रदूषण का खासा असर आंखों पर भी हो रहा है। इसमें उपस्थित महीन कण इस कदर पुतलियों पर चिपकते हैं कि ये आसानी से छूटते नहीं हैं और धीरे-धीरे लोगों में मोतियाबिंद से लेकर अंधापन तक के हालात पैदा कर सकते हैं। दिल्ली

की दमघोंटू हवा खांसी, गले में दर्द और पुराने मरीजों को तकलीफ तो दे ही रही है, इसका खासा असर आंखों पर भी हो रहा है। इसमें उपस्थित महीन कण इस कदर पुतलियों पर चिपकते हैं कि ये आसानी से छूटते नहीं हैं और धीरे-धीरे लोगों में मोतियाबिंद से लेकर अंधापन तक के हालात पैदा कर सकते हैं। बीते 10 साल से स्वच्छता अभियान को लेकर दिल्ली नगर निगम की ब्रांड एंबेसडर नेत्ररोग विशेषज्ञ डॉ. रूबी मखीजा ने बताया कि दिल्ली में एक्यूआई का स्तर जगजाहिर है। इसमें अगर कोई भी व्यक्ति खुली आंखों से एक या दो घंटे के लिए भी बाहर रहता है तो उसे आंखों में जलन, लालपन, पानी आना या फिर खुजली होने जैसी परेशानी होने लगती है। यह इसलिए क्योंकि हवा में पीएम 2.5 और उससे भी महीन कण तैर रहे हैं जो सांस के जरिए शरीर में तो पहुंच रहे हैं लेकिन यह आंखों की सतह पर भी जा रहे हैं। डॉ. मखीजा ने बताया कि दिल्ली में पिछले कुछ साल में प्रदूषण की वजह से नेत्र रोग ओपीडी में मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है। प्रदूषण की वजह से कार्नियल रोगों में काफी तेजी से इजाफा हुआ है। वह बताती हैं कि मोतियाबिंद के साथ साथ ग्लूकोमा, रेटिना और मैक्युलर डिजनरेशन तक के मामले देखने को मिल रहे हैं। यह एक ऐसा रोग है जो मरीज की केंद्रीय दृष्टि को प्रभावित करता है। इसका मतलब है कि मैक्युलर डिजनरेशन से पीड़ित लोग अपने सामने की चीजों को सीधे नहीं देख पाते हैं। यह आम उम्र से संबंधित आंख की स्थिति अधिकांश 50 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों में होती है लेकिन दिल्ली और एनसीआर के शहरों में इससे कम उम्र के मरीज भी देखे जा रहे हैं। नई दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के डॉ. मनोहर बताते हैं कि हम सभी के लिए यह समय काफी चेतावनी भरा है। अभी तक अलग अलग अध्ययनों में यह साबित हुआ है कि वायु प्रदूषण आपकी आंखों को नुकसान पहुंचा सकता है। एम्स के हालिया अध्ययन में पता चला है कि दिल्ली और एनसीआर की हवा में पीएम 2.5 से भी छोटे कण हैं जो विभिन्न जहरीले रसायनों से भरे हुए हैं। जब यह हमारी आंखों के संपर्क में आते हैं तो पुतली की बाहरी और भीतरी सतह पर चिपकने लगते है।

गंगा किनारे युवक और युवती ने बनाया अश्लील वीडियो, सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद मुकदमा दर्ज

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
ऋषिकेश। गंगा किनारे बनाए गया एक कपल का अश्लील वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। पुलिस ने मामले का संज्ञान लेते हुए मुकदमा दर्ज कर लिया है। ऋषिकेश गंगा किनारे अश्लील वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल करने के आरोप में थाना लक्ष्मणझूला पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। बृहस्पतिवार को सोशल मीडिया पर गंगा किनारे का एक युवक और युवती का अश्लील वीडियो वायरल हो रहा था। जिसकी प्रथम दृष्टया जांच करने पर उक्त वीडियो जानकी सेतु के पास लक्ष्मणझूला क्षेत्र का होना पाया गया है। थाना लक्ष्मणझूला पुलिस ने उक्त वीडियो का तत्काल संज्ञान लेते हुए इस मामले में संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। थाना प्रभारी निरीक्षक रवि सैनी ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। जांच के आधार पर संबंधित लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक डा. दीपक अरोरा द्वारा श्री आधुनिक प्रिन्टर्स एण्ड पैकेजर्स प्रा.लि. 1-मिर्जापुर रोड नैनी प्रयागराज उ.प्र. 211008 से मुद्रित एवं एम2ए/25एडीए कालोनी नैनी प्रयागराज 211008 (उ.प्र.) से प्रकाशित
सम्पादकः-डा. दीपक अरोरा
मो0नं0 09415608783
RNI No. UPHIN/2012/41154
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।